182. En. 9.17.2.

# মূত্র পরীক্ষা।

অর্থাৎ ইউরিন এনালিসিদ।

শ্রীত্রমূত লাল বন্দ্যোপাধ্যায় কর্তৃক সক্ষণিত

অনাদি প্রিন্টিং গুরার্ধণ ৩৭নং বেগুন রো, কলিকাত। শ্রীঅবিনাশ চন্দ্র চট্টোপাধায় কর্তৃক

মুদ্রিত

# ভূমিকা।

- বাঙ্গালা ভাষার ইউরিন এনালিসিন্ অর্থাৎ মূত্র পরীন্দার জন্ম ক্ষেম পুস্তক বর্জনান না থাকা প্রযুক্ত, আমি করেকথানি ইংরাজি পুস্তক হইন্ডে মূত্র পরীক্ষার বিষয় অনুবাদিত করিয়া প্রকাশিত করিলাম। আশা কবি ইছা দারা বাঙ্গালাভাষাভিজ্ঞ চিকিৎসকগণের ও মেডিকাল ক্ষুলের বাঙ্গালা শ্রেণীর ছাত্রগণের কিঞ্চিৎ মাত্র ফল দর্শিলে আমার শ্রম সফল জ্ঞান করিব। ইতি—

२८ भन्नना। जिल्लाम् भूमा।

## সূচিপতা।

মুক্ত সংগ্ৰহকর	<b>†</b>	***	***	5	পৃষ্ঠা
নিয়লিখিত ভ্ৰ	্প্রতি মৃত্র পরীয়	গাব জন্ম ব	गुवञ्च इम	O	,,
পরিষাণ ***	400	•••	, ··· .	e	57
<b>3</b>	***	•••	***	4	21
গন্ধ	***	• 6.0	P4+	ь	3>
বৰ্ণ •••	•••	***	444	5	- ,,
স্বাভাবিক শুক্র	<b>4</b> •••	700	***	۵	23
সন্ত্ৰা	***	***	444	50	3>
মৃত্তের রিএকস	म् •••	***	444	22	23
ইউরিয়া •••	***	***	***	52	),
निविश मार्ट्य	র প্রধান্ত্যায়ী ই	উবিয়া এ	ष्टेरम्थन	>8	3>
রসেল ও ওয়েই	हे मार्ट्स्वत औ	***		36	**
ডাক্তার চাল'স	ডে রিমদের ঐ	* ***	***	24	22
ইউরিক অস	444	***	***	२०	34
ইউবিক অমু প	ারীকার প্রক্রিয়া	***	***	32	15
নিউরি অস্তাই	ড পরীক্ষা	••	***	२२	,
গ্রাভিমেট্রিক প্র	াথায় ইউরিক অ	ামের গণন	া করণ	22	>>
কোরাইড <b>দ</b>	404	A	***	२७	2>
अप्रक्रियां के	পথায় কোনাইন	राष्ट्र श्रदा	ক্রেণ -	\$ 8	

ভ্যালুমেটি क् श	থানুসারে রে	নাবাইডস পর	রীকা 🚠	. २० शर्भ
महेन मूडमी क्ष	थान्यायी दला	রাইডদ পরী	QF 1	* 15 4 3/2.
<b>क्ष</b> मरक हेम	- 11	144	***	₹৮ "
क्रमक्विक आम १	পান' করণ	***	**	₹₩ ,,
ইউরেটস্	***	***	***	O0 11
ष्यकारगरेम्	***	***	***	٠, ده
নিউবুর প্রথারুয	ारी थिकिय।	419	***	তহ ,,
মুক্ত অম	***	748	***	ගල "
গ্ৰুক অমু		***	***	<b>ა</b> 8 "
मनदक्षे नवमा क	রণ	***	490	o∉ ,,
অওলাল	***	***	***	৩৬ "
পরীক্ষা •••	***	***	***	رر ۹۳
উত্তাপ •••	***	***	***	۵٩ "
য্বক্ষার অমু	***	***	***	יו ישט
উত্তাপ এবং যবগ	াব আম	***	111	ඉත ,,
রবার্ট সাহেবের উ	व्यवानी	তে যুৱক্ষাৰ ভ	직원	O. 11
ভাক্তার পেভির ৫	ফরোসাএনা	ইড পর্বীক্ষা	f***	B a 10
ভাক্তার জনসন্স	गुरु शिक्षिक	অম	***	8 0 ,,
ফস্ফরিক অম	***	400	***	85 ,,
অগুলাল গণনা ক	द्भग	***	***	BZ "
ডাক্তার রবার্ট সার	হেবের জল বি	गेख गयना		849 17
ভাকার এশ্বাকা	প্রথায় অওন	ान भगगा	***	8¢ ,,
শর্করা •••		400	***	8 4 74
ট্রমাস পরীক্ষা	***	141	***	8¢ ,,
ফেলিংস জব	***	F916	***	11 08
म्त्रम् भतीक।	***	***	***	849 11
নিজিক অমু পরীয		410	100	840 "
রবার্টু সাহেবের প্র		वना	444	89 39
ফেহলিং প্রাক্তিয়ার	याग्री नगना	44.	A ***	89- 37

পেডি সাহেবের প্রথাত্ত্বারী গণনা			***	60	शृष्ट
के कि हैं छैन			***	05	32 -
कनमन मार्ट्या अ	াথা		***	40	,,
ডাক্তার গান্স্ প্রথা		***	***	a a	,,
পিত নাইট্রন অম	পরীক্ষা	***	479	46	,,
হেলাস পরীক্ষা	***	***	***	49	37
ফ্লেইসচল্দ্ পরীকা	***	***	***	69	17
আইওডিন পরীকা		••	***	19	12
ক্লোবোফরম ছার বি		করণ প্রথা	***	Q b-	>>
পিত অম •••	***	***	***	Cb	12
ইণ্ডিকান	***	***	***	<b>e</b> s	**
मलदकास्त्रित्र পत्रीका	***	***	***	00	,,
হেলাস পরীকা	**	***	***	400	13
<b>छाहे</b> दब्राशिन	***	***	***	93	"
न्त्रिम ••••	***	***	***	165	17
<b>बेटनामाइँ</b> ड	***	166		હર	17
হিপিউরিক অম	***	***	***	৬৩	
রক্ত	444	***	***	43	, ,?
গোরেকম্ পরীকা	•••	***		60	•
হিনাটিন পরীকা	***		***	48	27
এসিটোন		***	***	98	70
ক্রিয়েটিন	***		***	<b>%</b> @	17
গিষ্টিন •••	*4*	***	***	42	21
	***		***		17
ভাষাজ্যে-বিএকসন	***		***	40	27
ভাষাজো-রিএজেট	***	444	484	40	13
मात्र अनार्थ	***	***	***	40	ÞΨ

# মূত্র পরীকা।

সাধাধণতঃ চিকিৎসকগণের কর্তব্য গীডিত ব্যক্তিব মৃত্র বাসা মনিক প্রক্রিয়া ও অন্থবীক্ষণ যন্ত্র দ্বারা প্রীক্ষা করিয় পেক্লত বোগ নির্ণয় কবা • বিশেষতঃ মৃত্রগ্রন্থী (বিজনী) মৃত্যাশ্য (রাজাব) ও মৃত্রনালী (ইউরিথা) প্রভৃতি যন্ত্রের আভ্যন্তরিক ও বাহ্হিক রোগ সমূহে মৃত্র পরীক্ষা করা একান্ত বিধেষ

অধুনা জীবন বিমা কোম্পানির (ল ইফ ইন্সিউবাফা) নিকট কোন ব্যক্তি জীবন বিমাব প্রার্থী হইলেই, তাহারা প্রথমতঃ ভাহাকে স্থানীয় চিকিৎসকেব নিকট হইতে স্বাস্থ্য পত্র আনিতে আদেশ কবেন

চিকিৎসক তাহাকে প্রথাতঃ একটি কাচ পারে প্রস্থা করাইয়া সতর্কতাব সহিত মৃত্র প্রীক্ষা কবিলে মৃত্যালী মৃত্যাল শ্য ও মৃত্রনালী প্রভৃতি যদ্ধের কেন গীড়া বভ্যান আছে কিম্বা গবে হইবার সম্ভাবনা ভাহা অনায়াসে বোধগমা হ্য মৃত্র প্রীক্ষা বিশেষ সাবধানে সনমোগ পূর্বক করিবে ও যে যে পরিবর্তন সংঘটিত ইয় ভাহা এককণ্ড ক্ষিক্ষ হিলিখিয়া লুইবে।

### মূত্র পার্নী। মূত্র সংহ্রহার ।

#### man of the same

চিবিৎসকে আজ্ঞান্থস বে পীতিভ বাজি দিল স্নাত্তেৰ চালিশ पणीत मूख धकाँ विभावकाव कांछ्या ७ विश्वा अच्छ ताए न जब ८ কবিয়া রাখিবে যতাণি দিব বাত্তের মূণ না পাওয়া যায়, ভাহা হইলে পৰাকাৰ্থী ক তৎক্ষণাৎ অব করাংঘ, সূত্রন্থ প্রিমাণ, গন্ধ वर्ग, व्यक्त ।, धावक्ति।, (यानारिं, भाव, क्रम छ व छ।विक एकप हेलाि निभन्ति । ज छेलाय नहरू हहेर्त ६५० र सूज विष्टु भन श्विलाद दाथिल छेष्ट व उपाइच ४५. जर्थ ९ गाउँ । १ गाउँ गार উপরে পড়ে, এক টুকবা থেট কাচজ হাবা পৃথক করতঃ खेशरत्त्र परश्च १म जाभन अवि कि नै। किशा के दिव आ <१ अवश्र जयकारमात्र कियम्र्य अवि नित्य ने बाता छे । हेरा একখণ্ড কাচেব উপৰ রাখিয় শুক্ষ করতঃ অস্থীলণ যন্ত্র জার ८मिथिता काम याय, भूता कि कि छिणाचान वङ्गन जार्छ পরীকার্থ মূত্র যাহাতে পচিন্ন তুর্গন্ধায় না হয়, তজ্ঞা ,নিন্নলিখিত জন (সোলিউসন) মিশ্রিত কব যায় সোহাগা বর অংশ এবং বোরাসিক অয় একণত অংশ একশত অংশ উফ জালে দেব कवनानखन खेक जक्श किल्होत करिय विश्व (भाग कान्रहत न्। किय महीएक इहेर्य छहे प्रव मृत्वव जिस स्। जाय ध्व ভাগ, কিন্দ চারি ভাগের এক ভাগ পচন নিবারণার্থ সচরাচর মুত্রের সহিত মিন্ডিভ করা যায়। ইহাব মিশ্রনে भूरतिव हेर्छदिनेम् छनि सनीकृत रहेग भिनिष्ठ हहेगां, याव भाग रेन जिल्लांस्था पांड । इस कालका अस्थि अस्थि। इस

रेबलका प्रदान ना, ७ । जन्तीकन यह भवीकात मोकाशिड भाषित १४ (कान १४) । कि मृद्विय श्रिक बांडिटम १६ क्षिति श्रिक क्षिति के क्षिति का अध्यान का का है हाटक अभिन नियं वर्ष १४ व्याप्त भाषान का है निमानिमन भ विवं वर्ष भूवयं के भाषान, किल्लिमन, हैनिमनाविभन भ विवं वर्ष भूवयं के भाषान श्रीकित्समा है वाश्र ज्ञानश्रीक

নিখলিখিত দেবাগুলি মুৰ পরীক্ষাৰ জন্ম বাৰ্হত হয

- ১ के। छत्र नश (८ छेडि छे उम्) क अक छ नि शविभा । भूक ७ क अक छ न मानु ।
  - २ काँएएत नन छ ७ म मूथ (थाना कलक छनि
  - ७ । जागिनिक शान यक्ष (वाल ना)
  - 8 वयः वय नम
  - ৫ থৌত করণ শ্রন্থ কাচেব বড় শিশি
  - ७ জहा त्थमन डांश एज
  - १ (काशिकान (ऐंडे ऐंडिंव।
- ৮। পিপেট নল কতকণ্ডাল কিউবিক সেণ্টিগিট ব চিহ্নান্ধিত
  - a ि ति वा स्था
  - ५० वृत्तरम् वर्गत
  - ১১ লিটখন কাগজ ংবিদ্রা, শীল ও বক্তবর ।
  - ১২। ফিল্টাব কাগজ।
  - ১৩ মৃটিং কাগজ
  - ५८ काँटित रात्न
  - ১৫ কাঁচেব রড কভকওনি
  - ১৬ চিলা মাটির ক ১ক গুলি পাত্র ৮

- ১৭ কাঁচের কডকগুলি পাত্র
- ১৮ কাঁচের কতত্তকগুলি বিকার পাত্র
- ১৯ কাঁচেব কতকগুলি শিশি ছুই আউন্স হইতে বাব আউন্য পৰিমান
- ২০। কাচেব ফ্লান্ধ পাত্র কাক সমেত ৭০ কিউবিক সেণ্টি মিটাব পবিমান
  - ২১ থ্যাচ প্লাস ট্যাক খড়িব কাচেব ঢাকনা কতকগুলি
- ২২ কাঁচেব গোলাকার সৰু গ্লাস এক হুইতে প্রধাশ কিউ-বিক সেটিমিটার চিহু অন্ধিত কতকগুলি
- ২৩ কাঁচের গোলাকার সক্ষ মাস এক হইতে এক\*ত কিউ, গেটি, চিহু অঙ্কিও কতকগুলি
- ২৪। কাচের গোলাকাব সক্সাস এক হইতে পাচ শত কিউ, সেণ্টি, চিহু অধিত কতকগুলি
- ২৫। মূন পৰীক্ষা যন্ত্ৰ কাচেৰ পাত্ৰ সহিত (ইউন্নিনো মিটাব)।
  - ২৬ ডে রিমদ্ ইউরিওমিটাব যন্ত্র পিপেট সহিত
  - ২৭ প্লাটনাম এক থণ্ড
  - ২৮ অন এক খণ্ড পাথবি পরীকার জন্য
  - ২৯ এসব্যাক্য আৰু বিউমিনোমিটার
- ৩০। বিউষেট কাচপাত্র পধাশ কিউ, সেণ্টি এবং একেব দশমাংশ অঙ্কিত কতকগুণ্ডি।
  - ৩১ বিউরেট রাখিবাব স্টাও
  - ৩২ টেষ্টটিউব বাখিনার স্ট্রাণ্ড।
  - ৩৩ তাপমান যন্ত্ৰ-মে টি ভ্ৰেড

- ৩৪ ভাপদ । যত্র ফাবান হিট ।
- ৩৫ অসুবী এ যন্ত্ৰ কডকগুলি কাচের আবরণ ও প্লইড
- ৩৬ কর্ম (ছপি) কতকগুলি।
- ৩৭ প্ৰিঞ্১জগ
- ০৮ ইভ প টিং গেদিন পাত্র
- ৩৯ পিতে মাকাবে নিটাৰ যন্ত্ৰ
- ৪০ উনান গুৰুক্বণ জন্ম
- ৪১ ওবেজ উড়ু শাব (ট লি) ওখল দাতী (পেটেন ও নটার)।

#### পবিমান।

এক গিনিম-- ০৫৯১৬ কিউবিক সেণ্টি মিট ব t
[ দংক্ষেপে কি, সে, |

এক ড্রাম≕ ১'৫৪৯৫ কিউবিক সে ভিনিটার

এক আউলা==২৮৪৯৬ ঐ

अक शाहे ग्रेच्य ८५१ ३२ वि

এক গ্যাশন== ৪৫৪৫ ৯৬ 🗳

এক প্রাম কি, সে, -- ১৬৯০৩ মিনিম।

এক লিটাব==২৮১ ৭২ ডাম

#### অথব ৩৫২১ জাউন্স

একশ ৯ প্রাম কি সে, প্রতি গ্যালনের প্রেনে আনিতে ইইনে সাত পত দিয়া গুণ করিয় লইতে হইবে আবার প্রতি এব শত কি, সে, গ্রাম মাণ প্রত্যেক আউন্সের গোনে আনিতে ইইনে তিনি দিয়া গুণ ক্রিতে হইবে প্রিক্তি লিটারের নাম প্রত্যেক গালানেব গ্রেনে পবিবর্তিত কবিতে হইলে সম্ভর দিয় গুণ করিবেক এবং সেইকপ গ্যালনেব প্রতি গ্রেণ, প্রত্যেক লিটাব মাপেব গ্রাম কবিতে হইলে সম্ভর দিয় ঐ প্রকার গুণ করা যায

ফাবান হিট ভাগমান যন্ত্রের অংশকে সেণ্টি গ্রেড ভাপমান

য স্ত্রব অংশে পবিবর্তিত কবিতে হইলে, ব্রিস্ বিযোগ ক্ষত,
গাঁচ দিবা গুণ কবিয়া, নয় দিয় ভাগ কবিবে ঐ প্রকাবে

সেণ্টি গ্রেড বস্ত্রেব অংশ ফাবানহিট খুল্লেব অংশে পবিবর্তি গ্রুবিত হইলে নয় দিয়া গুণ করিয়া, পাঁচ দিয়া ভাগ কবিবে ও
পবে ব্রিসে যোগ কবিতে হইবে

প্ৰস্থাবস্থাৰ সূত্ৰে সচৰাচৰ নিঃ লিখিত উপ দান গুলি প'ওয়া ৰ'য়'

ভাল ... ৯৬ : তাংশ ি সার পদার্থ ... ৪০ ,,

চল্লিস অংশ সার পদাথে নিয় নিখিত পদার্থ গুলি সচরাচর দৃষ্ট হ্য

ইউবিয়া	***	***		90	অংশ
ইউরিক এসিড	***	400		*4	,
গিপিউব্নিক এসি	ভ	• •	***	b	**
অর্গানিক "	*** .	<b>#</b>	640	13	**
শৈশ্লিক বিদ্যা	<b>३ विद्यम</b> े	प्या	***	.8	»?
<b>ফ</b> দফেটস্, সোড	া ও পটা	স	***	2,5	,,
मन्दरूषेम् लाहेः	ৰ কুমুহ	- নেগ্যিয়া	با ده	٠١٠	)) ()

द्भाशिहेषम् व्यव स्माष्ठ छ भिष्म अ १३ व्यः भ मन्द्रक्षिम व्यव नाहेम छ भिष्म अ १३ ,, किस्योगिनिम अ १४ ,, स्नोह, मिनिमा अस्तिम किङ्ग म ज

এক সংস্র অংশ মৃত্রে কত পবিষান সার পদার্থ বর্ত্তমান আছে জা দিবার জন্ম উংবাব স্বাভ বিক ওকত্বের শেষ ছই অন্ধ ২০০০ দিয়া খাণ করিবেক কিন্তু মৃত্রের স্বাভাবিক গুকত্ব ১০১৮ ইইডে আল ইইলে, ২০০ পত্তিবর্তে কেবল ছই দিয় গুণ করিতে ইয় যথা—

১০২০ সা, জ, × ২৩১= ৪৬ ৬ সাব আংশ ১০১৪ ঐ × ২ == ২৮ ঐ

#### পরিমাণ।

স্থ মন্ত্র থৌবন কালে চবিবশ ঘটাব মধ্যে প্রায়ই চল্লিস হইছে
পাণাশ আউল পবিমিত মূত্র ত্যাগ করে বিশ্ব ধ তুর তাবতন্য মুসারে, ক জ বর্মের জাধিক্যতা হেতু ও অধিক পবিমানে পানীয়
দ্রবা সেবন জন্ত মূত্রেব ন্যুনাধিক্য হইয়া থাকে পুর্য মানুস
অপেক্ষা স্ত্রীলোকেব ও বৃদ্ধ ব্যক্তির প্রস্রায় অলক পরিমানে ঘরক্ষার
আপেক্ষা দিবাভাগে এবং যে সবল ব্যক্তি জাধিক পরিমানে ঘরক্ষার
জান বিশিষ্ট খাদ্যাদি ভোজন করিয়া থাকেন ভালাদেব জাধিক
মাত্রায় প্রস্রাব নিঃস্ত হইষা থাকে প্রস্থাবস্থাস সচবাচর নম্ব শত
কি সে হইতে বার শত কি, সে, মূত্র নিঃস্ত হয়

জহুৰ বিষ্ণা ৰথা, বহু মূত্ৰ (ডায়াবিটিস ইনিনিপিডস্), মধুনেহ (ডাম বিটিস মিলিটাস), হৃৎপিওেব বাম দিকেব (ছাটেব লেফট। ভেনটি কিউলাব হাইপানট্রনি, মূত্র এখীব বোণের প্রথম ও মং ম

ছবস্থাই, হিটিনিই প্রস্থানি লাই লিই প্রায়েশ প্রায়েশ ইইয়া লবে।

দৈ গ্রাবস্থায় ও উফাবস্থাই লবিক প্রিমানে প্রায় হইয়া লবে।

উদ্বাস্য, আমাশন, বকুভেদ, বকুপ্রাই ওল ওঠ, ছাতি মধ্য

ইউরিমিয়া, নতন ও পুনাতন বাহটস্বেশ গ্রাক শীড়ার প্রায়াই

সভান্ত হাস হইয়া থাবে

#### গন্ধ । •

#### वर्ग ।

श्वावश्वा भूवित व छ विक तर्भ थएएत काम किना की व ति, किश्व और विशिष्ठ वान ति कथन कमम वा भावेव वर्भ भूव काएउत भाषा त्राथिया ज्ञारमाटक एमिम वर्ष शित विविध श्टेर्व भूख क्षिक भविभारन मान भमार्थ विकित्त विदिश्व किमोग कित्रा व्यक्ति राम्य कामरक क्षाकित्व त्रिक्षित এবং সোনামুখীর পাতা খাইলে মূত্র সবুজ তাতা যুক্ত গাটবিয়ে বর্ণ দৃষ্ট হয় সেন্ট নাইন খাইলে মূত্র পীতবর্ণ হয় স্প্রাবস্থায় মূত্রে ক্ষাব দ্রব্য মিশ্রণে ক্রিমনন বক্তবর্ণ দৃষ্ট হইয়া থাকে কার্ব-লিক জন্ম ও রক্ত মিশ্রণে মৃত্র ব্যুবর্ণ কিলা গাঢ় সবুজবর্ণ দৃষ্ট হইয়া থাকে পুঁজ ও কাইল মিশ্রিত হলৈ মৃত্র খেতবর্ণ খোলাটে জেলির কাথের) ভাব হইষ থাকে

অনুষ্বেশ্বার নিরক্ত বেগ ( এনি মিরা ). কোরে সিন্, ছিছিবিয়, বছ মুক্ত এবং মধু মেহ ট্রোগাক্রান্ত ব্যক্তির মুক্ত প্রাবহ বর্গ হীন ফ্যাকাশে বর্গ ( পেল ) দৃষ্ট হয় নানা প্রকার জবে, নৃতন প্রাইট স্ রোগ শ্লীহা রোগ, ছাবা ( জনডিস'), বক্ত প্রস্রাব ইত্যাদি পীড সমূহে মূত্র গাঁট বক্ত বর্ণ দৃষ্ট হইয়া থাকে সার বীয় পীড়া ও প্রাতন রোগ সমূহে মূত্র ফ্যাকাশে বর্ণ হয় নৃতন পীড়ালিতে শারীরিক বিধান উপাদানের ধরংশ হতন জন্ত প্রস্রাব গাঁট রক্তবর্ণ হইয়া থাকে মুক্তে পিত এবং কথন কখন শর্করা নিশ্রিত থাকিলে সবুজ আভা মুক্ত পাটকিলে বর্ণ দেখার ওলাউঠা এবং টাইফ্য রোগীর পচনশীল মুক্ত প্রাবহ গাঁট ক্রম্ম বর্ণ, কখন বা সবুজ বর্ণ এবং সময় সমরে নীলবর্ণ দৃষ্ট ১ইয়া থাকে।

#### স্বাভাবিক ওরত্ব (শেসিফিক গ্রাভিটী)।

মূত্র পরীক্ষার কাঁচ পাত্রেব তিন অংশেব ছুই অংশ মূত্র চানিয়া লইবে এবং ভাহাতে মূত্র পরীক্ষা যন্ত্রটি ভাগাইয়া দিলে উহাব গাত্রেব পরিমান অনিত যে চিহ্ন মূত্রেব উপরিভাগে দৃষ্ট হয় ভাহাই মূত্রের স্থাভ নিক ওকত্ব সচরাচর ইংলজীয় ইউরিনোরিটারও লি যাট অংশে বিভক্ত চিহ্ন দারা ভাষিক্র স্থাবস্থায় মৃত্রেব ১০১৫ হইতে ১০২৫ কথন কখন ব ১০৩ সাত বিক গুক্ত হচ্য থাকে মৃত্রেব সলত পল্ল কেন কোন সমণে পৰিষ্ঠাত জল নিশিত কৰিয় স্থা ও, নইতেহ্য। এবং ত্রী নিলা বাভ বিক ১৯২৪ ছানিত ব ছন্তা 'বিকত জল ও মৃত্রেব পৰিয়ানের সমষ্ট ছার ব ভাবিক শুক্তের শেষ আগাক শুব্র পৰিয়ানের সমষ্ট ছার ব ভাবিক শুক্তের শেষ আগাক শুক্ত কাল পাতিত গ কুলে, তুই তাল পাতিত গ কাম কাছি হিল হইবেক বিল কুলে ১২৫ হ্টবে এবং ইয়াই কানি অবস্থায় মৃত্রের প্রান্ত স্থা, শুক্ত বা কখন কখন মাত্রার জল গান ছেত্ মৃত্রের স্থা, শুক্ত, ১০০২ বা কখন কখন ১০০০ ও পর্যান্ত ছয় কিন্তু সাধারণত মৃত্রের স্থা গু ১০২০ দেখা যার বহু দিব্য উপ্রান্ত প্র অবিক পৰিয়ানে মাংসাহার কবিলে মৃত্রের স্থা, গু, বুক্তি শাইয়া থাকে মৃত্রে পরীক্ষা যার ব্যক্তীত উইলসন ও গুলিভাব নামক সাহেবের বিভ্ন সকল মুত্রের স্থাভা বিক গুরুত্ব লইবার জন্ত ব্যক্তেত হইয়া প্রকে

অনুস্থাক্যাব মধুমেছ বোলে মৃত্তব স্থা, গু, বৃদ্ধি পাইর
১০৫০ পর্যান্ত হয় ফুসকুস প্রদাহে, টাইফরেড জ্বর, কথন কথন
কোরিয়া বে গো, নব জ্বরের পথমাবস্থায় এয় কুট ব্রাইট্স্ রে গো,
উদরাময়, যক্ষাকাস বোগের স্থান্তর্যায়, এবং জ্বতান্ত গ্রীদ্যেব
প্রাথর্যে মুত্রের স্থা গু, জভান্ত বৃদ্ধি হয় হিটিরিয়া সন্নাস
(এলাপে থেক্সি), ক্লোরে সিশ্ এবং পুরাতন ব্রাহেট্স্ রোগে মৃত্রের
স্থান্তর্ব স্থাতন ব্রাহের স্থাতন

ুখ স্ছত|

শ্বভাবতঃ সুস্থার্ক্সাদ শ্বি ক্ষান্ত কিন্দ্র সাম্য প্রীড়িত

ব্যক্তির মৃত্য স্বচ্ছ দৃষ্ট হয় ভক্তেশ্য সাশায় উপছিত হইয় থাবে
মিউকস্ই শিথিনিয়ের প্রভাতি শৈশিকনি ি ফশেট অব লাইম্,
মাাগনিসির, ইউরেটস্ পূজ অগুলাল, নান বিধ ভৌতিক জবা,
বক্তে, কাইন, পিও ইত্যাদি মুত্রে হিজিত থাকিলে উহা চাকচিক্য
মৃক্ত স্কৃত্যু

#### মুভে ব বিএফসন

স্থাবস্থাৰ সৃষ্য এমিড ফন্ফেট অব সেড বিনিত থাকাব জন্ম প্রাক্ষিত মন্ন ভাষাপন্ন হুইয় থাকে সমস্থ দিবসে ভিন্ন ভিন্ন সমযে মৃত 'বীক্ষা কবিলে ইন্ন কথন ক্ষাব ভাষাণন্ন, বৰ্ষন বা অন্ন ভাষাপন্ন কথন বা সমক্ষানান্ন ইন্থা থাকে অহান কবিন বা অন্ন ভাষাপন্ন কথন বা সমক্ষানান্ন ইন্থা থাকে অহান কবিন বাব পুকে রাত্রিকালে মৃত্র জন্ম ভ বাগন্ন হুই আ আহাবেব গর ইইতে ভিন ভারি ঘণ্টাবাল মৃত্র ক্ষাব ভাষাপন্ন বাকে ক বণ এই সমস্যে বেলী পৃথিবীন ক্ষাব যুক্ত ফ্লেফট্স সকল বর্ত্তমান থাকে পানে পুনবান অন্ন ভাষাগন্ন ইন্থা যায় থানি পেটে গট স বাইন কার্মবান অন্ন ভাষাগন্ন ইন্থা যায় থানি পেটে গট স বাইন কার্মবান বিশোষত বেজ্যোবিক অন্ন খাইলে উহা দিন্তিবিক অন্নে পানিত ইন্থা মৃত্রেব সহিত নিঃস্ত ইন্থা যাব আহা বিদ্যাত হুইয়া মৃত্রেব সহিত নিঃস্ত ইন্থা যাব আহা বিদ্যাত ক্ষাব ভাষাপন করিলে ও অধিক্যণ ক্রতে নিম্ভিত থাকিলে মৃত্র ক্ষার ভাষাপন্ন ইন্থা থাকে।

বোগতান্থ ব্যক্তির মূত্রে কাব কদাত দৃষ্ট হয অত্যন্ত দৌর্বল্যে, নিবক্তাবস্থায়, কোবাসিম, নুতন বাত বোগ, রাজ বাত (গাউট), পুবাতন বমন রোগ, যক্ষা কাস, এটোনিক অজীর্ণ পীড়া মন্ত্রাশবের পীড়, মেক্দতে, ক্রেন্স্রাশ্রেশিত গ নিব্র গ্রহণ তাবস্থায়, শোণ প্রভৃতি পীড়ায় মৃত্র ক্ষার হইষা থাকে লিটমশ্ কাগজ দার মৃত্র ক্ষার, স্বায় কিন্তা সমক্ষাবায় তাহা স্পান্ত প্রতীয়মান হয় লিটম্য্ কাগজের ক্ষুদ্র বাধান বই হইতে একথণ্ড ছিড়িয়া পবীক্ষার্থ মৃত্রে নিমজ্জিত কবিলে, হবিদ্রা বর্ণ কাগজ বজবর্ণে পরিণত হয়। এবং নীশবর্ণ কাগজ বক্ত বর্ণে পবিণত হইলে জ্ঞ ও হওলা হাম যে উহা অয় (এসিড)

#### ইউরিয়া।

মৃহাবস্থায় ব্যক্তি বিশেষের শানীবিক ভাবাম্যায়ী যবাক্ষার জান বিশিষ্ট আহার্ঘ্য জব্যের আধিকা ও নানতা হেতু, শানীবিক ব্যায়াস কার্য্যের নানিক্যতা বশতঃ মৃত্রে "ইউরিযার" নানাধিকাত দৃষ্ট হয় সবল কায় যুব ব্যক্তির মৃত্রেব প্রুচি পাউণ্ডে, সার্দ্ধ তিন গ্রেন ইউরিয়া দেখিতে পাওয়া যায় ব ব প্রৌন (১৪ পাউণ্ডে এক প্রৌন হয়) ওজনের সম্থকায় ব্যক্তি দিন বাত্রি চর্কিশে খণ্টায় প্রাথই ৫৮৮ গ্রেণ ইউরিয়া মৃত্রেণ সহিত নিঃস্ত করিয়া থাকে অত্যধিক জল পান কবিলে মৃত্রে "ইউরিয়ার" আধিকাতা দৃষ্ট হয় শাক সাক্রী আহারীদের মৃত্রে ইউরিয়ার স্বল্পত হইয়া থাকে

অসুস্থাবস্থায় শারীনিক নিধান উপাদানের পবিবর্তন হেতু,
নবজর, পদাহ রোগাদিতে, বত্তমূত্র ও সধুমেহ পীড়ায় মৃত্রে ইউরিযাব আধিক্য হইগা থাকে। একিউট্ ত্রাইট্স্ রোগের প্রাবস্থে
প্রদাহ অবস্থান ইউরিয়া মৃত্রে অল পরিমানে বর্তন ন থাকে,
কিন্তু ইউরিমিয়া রোগের জাক্রমণে পুনরার ইহার আধিক্যত
দৃষ্টি হন কোন বিশ্লাদ নক্তকত একিউট্ পীতবর্ণ এট্রফি

রোগান্তান্ত বোগীর মূত্রে যে সময় "লুসিন" ও "টাইরোসিন' ভাষিক পবিমাণে বক্তমান থাকে, বিস্চিকা, প্রাতন ত্রাইটস্ রোগ, নানাবিধ প্রাতন রোগ, ওভেরির অর্ব্যুদ্ধ পীড়ায় মূত্রে ইউরিয়া নিঃসরণ ক্রাম হইয়া থাকে কেহ কেহ বলেন পরীক্ষার্থ মূত্র, শীতল অবস্থায় সনীভূত না করিয়া, উহাতে সমান পরিমানে যবক্ষার অয় মিশ্রেণে ঐ মূত্রহ নাইট্রেট অব ইউরিয়াব দানা সকল পরিন্বিত্ত হইষা ইউরিয়ার পরিণত হয়

ইউরিয়া অমুবীক্ষণ যন্ত্র পরীক্ষায় দেখিতে লস্ত্রা চতুর্দিক বিশিষ্ট, উভয় দিকের শেষ ভাগে ছোট ছোট পিরামিডের স্থায় স্থেতবর্ণ দানা; নাইট্রেট অব ইউবিরা, অমুবীক্ষণ যন্ত্রে, র্ষিক প্লেট ব' ঘর্ষ কে'ল্ বিশিষ্ট দ'ন', স্তবে স্তবে উপরি উপবি দৃষ্ট হয় অক্সালেট্স সকল রম্মাডাল প্লেটস্ কিম্বা টেব্টুলার দানার স্থায় দেখা ঘাষ। প্রথমত অভ্যাল গরিমাণে মুত্র একটি টেক ঘণ্ডিব কাঁচেব দাকনায় রাখিয়া ভাহাতে কয়েক দোঁটা তেজম্বর যবক্ষার অমু সংযোগ করত দানা বাঁধিবার জন্ত রাখিয় দিতে হইবে দানা বাধিদে অমুবীক্ষণ যন্ত্র সাহায়ে পরীক্ষা করিতে হইবে।

তুই কিমা চারি আউল মৃত্র বাম্পোতাপে ঘনীভূত করণান্তব,
সমভাগ বিশুদ্ধ যবক্ষার জয় সংযোগ করিয়া দানা বাঁধিবাব
জয় কিছুকাল রাখিয়া দিতে হইবে দানা বাঁধিলে পরে ঐ দানা
সকল শোহক কাগজ মধ্যে রাখিয়া সন্তর্গনে চাপিয়া শুক্ষ করণান্তর
উফ জলে দ্রুব করিবেক, তৎপরে তাহাতে জল মিশ্র বেভিয়্ম
কার্বনেট দ্রুব অধিক পরিমানে সংযোগ করিয়া ফিণ্টার করিবেক
ইহাকে বাস্পোতাপে ঘনীভূত করিয়া সতর্কতার সহিত নাইট্রেট অব
বেরিয়মী দানা শুলি পূথক করিবার জয়্ম প্রবাম ফিণ্টার করিয়া,

ক্র ফিণ্টার কবা দ্রবকে জল ক্ষেদন যন্ত্র দ্বারা ওচ্চ করতঃ, ঐ শুদ্ধ পুলরার দ্রব করণান্তর ফিণ্টার করিয়া, তত্ত্ব সময় রাখিয়া দিলে 'ইউবিয়া" দানা বাধে।

#### লিবিগ সাহেবের প্রথামুষাধী ইউরিয়া এপ্রিমেশন।

ইউরিয়া, মাবকিউবিক নাইট্রেট জবের সহিত মিশ্রিত করিলে জেলটিনের ক্যায় প্রতীয্মান হয়, ইহাতে এক অংশ ইউরিয়া ও চারি অংশ মাবকিউবিক অক্সাইড বর্তুসান' থাকে। ইউরিয়া এইমেশন জন্ম নিয়লিখিত পদার্থ এবং দ্রব (স্থাণ্ডার্ড সলিউসন) আবশ্যক হয়

- ১ ক্সন্তের বিউরেট পাএ ও ইহা রাখিবার স্থাত
  - २। কতকগুলি ছোট কাঁচের বিকার পাতা।
  - ৩ কতকগুলি কাচের রড
- ৪। মার্কিউরিক নাইট্রেট দ্বন। (ইহা প্রস্তুত করিছে হুটলে, ৭৭ ২ গ্রাম শুব্ধ মার্কিউরিক অক্সাইড্ প্রয়োজন মত নিশুদ্ধ যবক্ষার দ্রাবকে মিশাইয়া, বাস্পোত্তাপে গাত করতঃ পবিশ্রুত জল সংযোগে এক লিটার পরিপূর্ণ কবিবে ) ইহার প্রতি কিউনিক সেণ্টি মিটারে ১০১ গ্রাম ''ইউরিয়া" বাহির কবা যায়
- ৫। ইউরিয়া দ্রব (ইহা প্রায়ত করিতে হইলে ১০০ কিউ, সেণ্টি, পরিশ্রুত জলে, এক গ্রাম ইউরিয়া মিশ্রিত করিবে) ইহার প্রতি কিউ, সেণ্টি, ৩১ গ্রাম ইউরিয়া পাকে। ইহা রারকিউরিফ্ নাইট্রেট দ্রবের যথার্থতা পরীক্ষার জন্য ব্যবহার করা

- ৬ ব্যারাএটা দ্রব ( ইহা প্রস্তুত করিতে হইলে, ছুইভ ।
  স্যাব্য এটা নাচ দ্রব ও একভাগ নাইট্রেট অব ব্যাবাএটা ণাচ দ্র ।
  নীতল অবস্থায় মিশাইয়া, ফিন্টোব করিয়া লইতে হইবে )
  - ৭ কাবনৈট অব্সোডার গাঢ দ্ব

#### প্রক্রিয়া।

১ম। एक्तिम यहोत প্রস্থাব সংগ্রহ করিয়া, উছার পবিসান লইবে

হয় ঐ প্রস্রাবেক কিয়দংশ একটি পরীক্ষার নথে রাণিধা প্রাট ল্যান্পের উত্তাপে ফুটাইয়া অতি সতর্ক ছইমা অত্যধ শীর্কায় (এসিটক এসিড) সংযোগ স্থাবা উহা হইতে অওলাল (এলবিউমেন) বিম্কু কবিবেক, কাবণ পরীক্ষার্থ মৃত্তে অওলাল লালের চিক্ল মাত্র, থাকিলেও, ইউরিয়া পরীক্ষার ব্যাম্বাড হইমা থাকে

তয় একটি পরিমাণ চিহ্লান্ধিত নলে ৪০ কিউ, সেণ্টি, মৃত্র লইয়া, ২০ কিউ, সেণ্টি, ব্যাবাএট জব সংযোগ কবতঃ উহাতে কয়েক ফোটা কন্তিক জব (কুড়ি গ্রেম আরজেণ্টাই নাইয়াস এ এক আউল পবিশ্রুত জল) মিশাইবে এবং ফিণ্টার কবিবে ইহা দ্বারা পবীক্ষার মৃত্রেস্থ স্বাফেট্স্, ফসফেট্স্ ও ক্লোরাইড্য সকল বিশ্বোহিত হইফা অধংস্থ হয় এবং পরীক্ষাব সৌকার্যান্ড সাধিত হয়।

৪র্থ একটি পঞ্চদশ চিহ্নাধিত কিউ, সেণ্টি, ফিকাব পার দশ কিউ, সেণ্টি, তৃতীয় পেক্রিযায প্রস্তুত ফিণ্টার করা মূত্র রাহিষ উষতে একটা বিউরেট পাত্র মধ্যে কিয়ৎ পরিমাণে মারকিউবিক নাইট্রেট জব লইখা সাবধানে স্বযোগ করিছতে থাকিবে।

শে এক খণ্ড কানজ গাঢ় কাব নেট অব্ গোড়া দ্ৰে শি জ করিয়া তাহ'তে এক ফোঁটা চতুর্থ প্রক্রিয়ার মূত্র সংযোগ করিবেক, পীতবর্ণ হইলে জানা যায় যে ইহাতে মাব্কিউপ্রিক্ অক্সাইত বর্ত্তমান আছে।

একণে দেখা আবশুক কত পরিমানে মাবকিউরিক নাইটেটি জব ব্যবহৃত ইইয়ছে প্রত্যেক কিউ, সেণ্টি, মাপ '০১ গ্রাম ইউরিয়ার সমান বিদ্যাপি দশ কিউ, সেণ্টি, ব্যবহার করা হইয়া থাকে, তাহা ইইলে '০১×১০— ১০ গ্রাম-; '১০×১০—১' গ্রাম ইউরিয়া, দশ কিউ, সেণ্টি, প্রস্রাবে বর্ত্তমান আছে। এই উপায়ে সমস্ত কিউ, সেণ্টি, মৃত্র ছই শত দিয়া হরণ।ক রিষা, কিউ, সেণ্টি, মৃত্র ছই শত দিয়া হরণ।ক রিষা, কিউ, সেণ্টি, মান ইউরিয়া নিংহত ইইয়াছে তাহা জানা যায়।

১২০০×১

--- ক== ইউরিয়ার সম্ষ্টি

देखितिया खय बाता बातिक छितिक नाहेटि छ खय ठिक श्रास्ट किना भातीका कता हय। এक ही विकात भारत এक किछ, तमि है है जित्रा खय कि थिए अन बिश्विक कित्रा, मात्र कि छितिक नाहेटि छ खय मः त्यांग, कित्र खाकित्व, त्य भवास्ट है छ तिया व्यवश्य मं हय। अवश्य काल शाल शाल क्यां क्यां त्यां खान खान विकात में अप काल काल शाल क्यां क्यां त्यां खान खान विकात कित्र स्वा खान कित्र स्व मन्द्र स्वा खान कित्र स्व मन्द्र स्व खान कित्र स्व क्यां खान कित्र स्व क्यां खान कित्र स्व क्यां खान क्यां

রসেল ও ওয়েষ্ট সাহেবের প্রথাসুযায়ী ইউরিয়া এপ্লিমেসন।

ইউরিয়া হাইডোর্নেমিন্ন অফ সংযোগে রসিয়েনিক প্রভাবে

विस्थिषि इंहेस, जल, कार्यनिक जम्न এवर यवकाव वान्न এहे जिन्दी निर्मार्थ नृथक इंहेमा याय यवकाव वान्न गर्धह कवर निर्मान नहेर्ड इंहेरचक निर्मानिथिड प्रवाधनि धहे, १ वीका य जावनाक इंग्र

১য় একটা একশত কিউ, সেণ্টি, পরিমিত কাঁচেব ফ্লাব্রন শক্ত করিয়া ছিপি বদ্ধ করিয়া ঐ ছিপিতে একটা ছিদ্র করত ভাহাতে একটা কাচের নল পরাইয়া, উহার এক মুখ ফ্লাক্রেব ভিতর থাকিবে এবং বাহিবেব মুখে একটা র্বারেব নল সংস্কুক করত তাহা একটা জলপুর্ণ পাত্রের জলেব উপর পরিমান চিহ্নান্ধিত জলপুর্ণ শিশিব খোলা মুখ নিমজ্জিত আছে তাহাতে প্রবেশ কবাইবে ইহাতে ৷ ঘবকার বাস্প সংগৃহীত ইইয়া থাকে ও পরিমান জানা যায

২য একটী ছোট্₂৽রীকা নল

· ৩য একটা জলপূর্ণ কাঁচ পাত্র।

হর্থ একটা বোতলে একশত গ্রাম বা সার্দ্ধ তিন জাউন হাইড্রেটেড সোড, তুইশত পঞ্চাশ কিউ, সেণ্টি, ন নং তা উন জলে দ্রব কবণান্তব, শীতল হইলে, উহাতে পঞ্চ বিংশ বিউ, সেণ্টি বা সাত ড্রাম পরিমান ব্রোমিন মিগ্রিত করিবেক

#### প্রক্রিয়া

১ম একটী ফ্লাকাপাতে পঞ্চ বিংশ কিউ, দেভি, হ ইতে বোমেট দ্ৰব নাথিবে

২য় একটী ছোট পরীক্ষ নলে পাঁচ কিউ, সেন্টি পরীকার্থ মূত্র রাখিয়া, অতি সতর্কতার সহিত ইহাকে ই ক্লাকা পাত্রে হাইপোরোমাইট দ্ব সংগ্রিকারিক

হট ব যেন কোন পেমে মুত্তের সহিত মিঞ্জিট না হয়। এঞ্চণে ফ্লাক্সটী ছিপি বন্ধ করিয়া কাচ ও রবাবের নল স॰ ুঞ্জ করিয়া এই নলট্রী জন পাত্রের মধ্য দিস্ মাপাজিত জনপুর্ণ ণিশির জ্ঞলে নিমজ্জিত মুখে প্রেবেশ করাইয়া ফ্লাকুটী অল না বাইলো স্বান্দের ভিতর্ষিত মুত্রেব নল উণ্টাইয়া মূত্র স্বাইপো-বে মাইট দবে মিখিত হইয়া ৰাম্প উল্বিত হয় এবং উহা কাঁচেৰ ও ববারেব নলেব ভিতর দিয়া নিম্ভিক্ত জলপূর্ণ কাঁচ পাত্রে সংগৃহীত হইতে থাকে এবং যত সংগ্ৰহ্ম হয় তত পরিমানে জল কাঁচ পত্ৰ হইতে বহিৰ্গত হইয়া যায় এই কাৰ্যোর জন্ম প্রায প্নেব গিনিট সময় অবশ্যক হইয়া থাকে কাঁচ পাত্তের প্রতি অস্বিত চিহ্ন এক কিউ, দেন্টি, এবং ইহাতে এক গ্রাম করিয়া ইউরিয়া বর্ত্তনাল পাবে এই প্রেকাব সবল টেপায়ে ইউবিযার সমাষ্ট গাস মূলে কত পবিমান বৰ্তমান আছে তাহা ভাত ২৩য়া যায় ইহাও দারণ বাধা কন্তব্য যেজ্ঞল কাঁচে পত্রে, শিশিতে এবং রোগিন জবে বাবহার করিবেক তাহা যেন সম উত্ত পে থাকে অর্থ ও উহন্তের থেন এক টেম্পারেচর হয় তাপমান এবং বায়ু ান যক্তেব সাহায্য দাব ইহাব পরীকাব যথার্থতা প্রমান ছয় সেণ্টিগ্রেড ভাপমান যক্তেব জিবো পটেকেট এক গ্রাম ইউবিয়াম, ७१२ किंछे (मि), यनकात वाल्ल यांन हिर्शिष्ठ केंछि भारत দুষ্ট ইইয়া থাকে এবং বায়্মান যন্ত্র (ব্যারোফিটার ) ৭৬০ এম, নম, কিন্তা পতি ক্ষিউ, পেটি, ধ্বঞার বাপা '০০২৬৮৮ গ্রাম ইউরিয়া দৃষ্ট হইযা থাকে।

ভাকাব চাল প্ ডেইরিমসের ইউরিয়া এপ্রিমেসন। ভাচাব অংশিক্ষত জি<sup>ন</sup>ি ইউবিওমিটার যন্ত্র দাবা সরল ভাবে, শীঘ্রই প্রস্রাবে কত ইউরিয়া বত্তনান আছে তাথা জ্ঞাত হওগ যায় **এই প্র**ক্রিয়ার জন্ম পশ্চতি লিখিত দ্রব্য গুলি আবশ্যক হয়

স্ম একটা ডাক্টার চারলস্ ডে রিমসের জি. পি, ইউবিও ফিটার হয়। হাইপোরোমাইট এব (সোডা হাকড্রেট দশ গ্রাম, পরিক্রাত জল, পাঁচিশ কিউ, সেণ্টি, এবং ব্রে নিন আড়াই কিউ, সেণ্টি,) ইহা সন্তই মিশ্রিত করতঃ প্রথত করিবেক বেনী দিন রাখিলে নত হইয়া যায় ব্রোমিন পায়ই অড়াই বিউ, সেণ্টি, মোহর করা কাঁচের ক্যাপ স্থলে থাকে, আলোড়ন কবতঃ ক্যাপস্থল ভাঙ্গিয়া, সোডা এবে নিগ্রিত করিয়া লইলে কোন অস্থবিধা বা ব্রোমিনের তুর্গনি সমুভব করিতে হইবে না

তম — সাম যুদ্ধ কহার প্রত্যেক ভাগ প্রত্যেক এক বিউ, দেশিট, প্রেপ্রাবে, ১০০১ গ্রাম কউবিষা বর্তমান আছে তাহা বুঝাইয়া দেয় ইউনিয়ার শতকরা অংশ জানিতে হহলে পরীক্ষার ফলকে একশত দিয়া গুলু করিতে কইয়ে চন্দিশ্যার প্রস্রাবে কত পরিমানেইউনিয়া নিংস্ত হইয় ছে জানিবার জন্ম এ ১ মথের মধ্যে যত পরিমান কিউ, সোটি মুল নিংস্ত হইয়াছে, ভাহাকে শতকরা পরীক্ষার ফল দিয়া গুলু করিছে হইবে।

৪র্থ ডাক্তার এজ সাহেবের ইংরাজী মান যা। ইহাব এক একটা পদিমান ভাগ স্ব রা জান যায় যে প্রস্থাবের প্রত্যেক অর্জ ছটাকে এক প্রেণ করিয়া ১উবিয়া বর্ত্তনান আছে চলিশ স্থায় যত অর্জ ছটাক মৃত্র নিঃস্ত হইয়াছে, তাহা দিয়া ভব্ বিলে ঐ সমধ্যে কতে পরিনীয়া ইউরিয়া নিঃস্ত হইয়াটে

এই ইউবিওমিটাবেব নিয় প্রণেশের উৱতে ইওয়া যায় গোল অংশ (বল্ব) হাইপোরোমেট ডেব বারা পূর্ণ করতঃ একট্ট যক্তাবে ধবিলে, হাইপোরো। মট দ্রব যন্তেব লম্বা অংশে প্রবেশ কবে পুনরায় গোল অংশ ঐ ভব দ্বাবা পূর্ণ করতঃ সোজা ভাবে রাখিয় দিবে একণে চবিবশ ঘণ্টার প্রভাব একএ কবিম পৰিমান লইখা, উহা হইতে এক কিউ সেণ্টি, মান চিহু ক্ষিত পিপেটে মূদ্র লইয়া, হাইপোৱে মেট ডব পূর্ণ ইউবিওমিটাব যজেব গোল অংশের ভিতর দিয়া লম্ব অংশে যতনুর পারা যায় প্রবেশ করাইযা, পিপেটের রবাবের টুপি সতর্ক হুইয়া চাপিলে অল্ল অল্প মূত্র উহাতে প্রবেশ করিতে থাকে, যেন কোন মতে বায়ু প্রবেশ না করে, ঐ মূত্রস্থ ইউরিয়া হাইপোত্রোণাইট এব সহিত মিশ্রিত হওত বিশ্লেষিত হইয়া যুৰুক্ষার এবং অঙ্গার অমুদ্র শাস্প উৎপন্ন হয় যবক্ষাৰ বাস্পা উর্জে উত্থিত হইয়া ইউরিওমিটারের উপরিভাগে সংগৃহীত হয় এবং অঙ্গার অগ্ল গোড় ডবে মিডিত হংগা যায়। এই ইউরিওটিটারের উপবিভাগে সংগৃতীত যবক্ষার বাস্পের পরিয়ানানুযায়ীক ইউরিযার পরিয়ান জানা যায কথন ইউরিয়াব আধিক্যতা প্রযুক্ত মুত্রে সমভাগে পবিঞ্চত জল মিশ্রিত করিয়া পরীকা করিতে খ্য এবং পরিমান ফলকে দ্বিগুণ করিয়া লইতে হইবে।

#### ইউরিক অম

সুস্থ বস্থান্ন প্রস্রাধে ইউবিক অন্ন অসিত্র অবস্থান অত্যন্ত্র পরিমানে দৃষ্ট হইখা থাকে এমন কি এক সহস্র অংশে অর্জ গ্রেণ মাত্র পাওয়া যায়। প্রায়েই শতক্বা একের ত্রিশ অংশেরিও ক্স

অমুস্থবিস্থায় যথা জন্নাদি নোগ, যক্তের ক্রিয়াব বৈলকণ্য ও যান্ত্রিক রোগ, রাজ বাত রোগ আঞ্রমণেব পর, প্রীহা রোগ, রুজ্ন শ্বেতবর্ণ হইলে, ফুসফুসের পীড যাহাতে অঙ্গার অম বাস্প শোধিত হয় ন এই প্রকার পীড়া সমূহের প্রস্রাবে ইউরিক অম আধিক্য হইয়া থাকে। জন্মে চকিশ ঘটাব প্রস্থাবে কখন কখন সতের বা আঠার তোণ ইউরিক অমপাওয়া বায় বক্তের নুতন পীতবর্ণ ক্ষম রোগের মূত্রে ইউরিক অমের অভান্ত সমতা দৃষ্ট হয়। কারণ ইহা প্রস্রাবে নিঃস্ত না হইয়া সোডা, পটাস্ এবং श्वामिया नश्रवार्थ व्यक्षात्रिक्राथ शक्तिवं रहेश थारक। হইতে ইউবিক অমু পৃথক করতঃ বাহির করিতে হইলে, প্রথমতঃ এক ছটাক মূত্র অগ্যতাপে গঢ়ে করিয় অর্ছ ছটাক হইলে, অত্যন্ত লবণ ডাবক সংযোগ করতঃ শীতল যায়গায় দানা বাধিবার জন্ম রাখিয়া দিতে হইবে। তৎপরে উপরিস্থিত তরল ভাগ ঢালিয়া অহা পাত্রে রাখিয়া দানা গুলি উত্তয়রূপে জল দিয়া ধৌত কয়নান্তর ঈষজুফ প্টাস দ্ৰবে বিগলিত করিয়া পুনরায় সবণ জাবক মিজিছ कत्रिया अदे शिक्षन कि कू के। न जा शिश मिटन माना वाधिया शादक । একণে ঐ দানাগুলি অনুবীক্ষণ যন্ত্র দার প্রীকা করিতে হইবে। কখন কখন লবণ জাবক মিশ্রিত মুত্রে স্থন্দা সূত্র খণ্ড নিম্ভিদ্রত कविषा, त्राथिया पिरम रेडिविक जम डेशर्ड माना वै। विद्रा थारक এবং উহাকে লেখ ব অনুবীক্ষণ যন্ত্ৰ দারা পরীক্ষা করা যায়

#### ইউবিক অম পরীক্ষার প্রতিযা।

(১) প্রথমতঃ ক্বিয়ৎ পবিসানে প্রজ্ঞাব, যাহাতে সাধারণ ইপ্তক চুর্ণ কিমা কেইন দেশের লক্ষ্মী চুর্ণ ক্রিপ্তিত বা স্ক্রান্ত থাকে ভাহা ফিণ্টাব কবিতে হইবে অধঃশ্ব পদার্থ ফিণ্টাবে থেতি বরিষা লইবে

- (২) পবে অধঃস্থ পদার্থ স্থানান্তরিত কবিবেক এবং মূত্রেকে সুটীত কৃষ্টিক পটাস্ দ্রবে বিগলিত কবিয় শিণ্টাব কবিতে হইবে।
- (৩) এক্সণে এই ফি-টার করা সূত্রে লবণ জাবক সংযোগ কবিয়া, দানা বান্ধিবার জন্ম অল সময় রাখিয়া দিতে হইবে অবশেষে উপরেব তবলাংশ ঢালিয় স্বতন্ত করিয়া দান ওলি শুদ করিয়া লইবে

#### মিউরি অক্সাইড পরীক্ষা

ইহাতে উপরোজ প্রক্রিয়ায় প্রস্তুত, কতকগুলি ইউরিক সমেব দানা, কযেক ফোটা বিশুদ্ধ যুক্তার অম সংযোগে, অগ্যুত্তাপে শুদ্ধ করিয়া, তাহাতে এক ফোটা কটিক এমোনিয়া দ্রব মিশ্রিও কবিলে, উহা উজ্জ্বল ভাওলেট কিল্বা বেগুনে বর্ণ হ্য (মিউরি স্বক্যাইড)

#### প্রাভিমেট্রিক প্রথায় ইউরিক অস্নেব গণনা করণ।

এট কয়েকটি দ্রব্য এই প্রক্রিয়ার জন্য আবশ্যক হয় একটি বাসায়নিক পরিমাণ যন্ত্র, কয়েকখানি ফিল্টার কাগজ এবং শুদ্ধ করণ জন্য একটি উনান

#### প্রক্রিয়া।

১ম চিবিশে স্বাটায় নিঃস্ত প্রস্রাব সংগ্রহ কবিবেক

২য় ঐ সংগৃহীত মূদ্ৰ হইতে, তুইশত কিউ, সেণ্টিং কিয়া দশ আউস-পৰিমান কেইয়া. উহা হইতে জজিলাল. স্পশ্লিক নিল্লি ইতাাদি যে কোন পদার্থ মিশ্রিত থাকে অগ্না, তাপে জনাইয়া কিয়া কিয়া কিয়া করিয়া বহিন্দত করিতে হইবে এবং গাঢ় করিয়া তাহাতে কুড়ি কিউ, সেণ্টি, কিংব এক জাউন্স বিশুদ্ধ লবণ দ্রাবক সংযোগ করিয়া চিবিশে ঘণ্টাকাল রাখিয়া দিলে ইউরিক অমের দানা বাঁধিয়া থাকে

তম একথানি ফিণ্টার কাগজ সাবধানে শুষ্ক করিতে হইবে, যে পর্যন্ত ইহার ভারের স্বল্পতা না হয়। ভারের ওজন শিখিয়া রাথিবে

৪র্থ দানা বাঁধিলে মুত্র ফিল্টার করিয়া, ফিল্টারের উপর সংগৃহীত দানা গুলি, অল্প মাত্রায় অমু ভাষাগন্ধ জল দানা ধ্যেত কবিতে হইবে

ধ্য এক্ষণে ইউরিক অমের দানা গুলি ফিণ্টার করতঃ গুরু কবিয় দানা গুলি ও ফিণ্টার কাগজ ওজন করিবেক

৬৪ ওলনের সমষ্টি হইতে ফিণ্টাব কাগজের ওজন, যাহা
পূর্বে লিখা ছিল, বিয়োগ করিয়া হিসাব করিলে চবিবশ
শাটায় কত পরিমানে ইউরিক অম প্রস্রাবে নিঃস্ত হটয়াছে
ভাষা জ্ঞাত হওয়া যায় বদ্যপি দশ আউল প্রস্রাবে '১২ গ্রাম
ইউরিক অমের দানা পাওয়া যায়, তাছা হইলে চবিবশ ঘণ্টায়
নিঃস্ত মৃত্র ৫০ পঞ্চাশ আউলে কত পরিমানে পাওয়া যাইবেক
১০:৫০ ': '১২: ক == ৬ গ্রাম ইউরিক অমু

#### ক্লোরাইডপ্।

অস্কাৰস্থায় প্ৰস্ৰাবে সচবাচর ক্লোকাইডদ্ অল্ল বিস্তার পরিমানে ধর্তমান থাকে এমন কি চলিশ ঘটারগ্রপ্রপ্রাবে কখন কথন দশ হইতে যোল গ্রাম পর্যাস্ত দৃষ্ট হয় ইহা সংগ্রহ করা সুত্ত্বর।

অপ্রথবস্থা কুস্কুস্ প্রদাহ পীড়ায়, যে সময় রেছে ভিউস্ন হইতে আরম্ভ হয়, কম্প অরের শৈতা এবং উফাবস্থার প্রজাবে বছল পরিমানে ক্লোরাইডস্ দেখিতে পাওয়া যায়। নানাবিধ জ্বর রোগে, যকতেব নৃতন ক্ষর রোগে, ফুসফুসের প্রফাছের হিপাটিজেসন সময়, নৃতন বাত রোগে গ্রন্থীত অবস্থায় এবং প্লুরা বিল্লির প্রদাহ রোগে জল সঞ্চিত হইলে প্রজাবে ইহা অতি অন্ধ পরিমান দৃষ্ট হইব থাকে।

প্রপ্রাবে ক্ষেক কোঁটা বিশুদ্ধ ধবকাব জাবক সংযোগ করিয়া, ভাহাতে কয়েক কোঁটা আরক্তি তিক নাইটোট জব মিশ্রিত করিলে শেতবর্ণ ত্রাবৎ পদার্থ অধঃপতিত হয়, ভাহা হইলে জানা যায় মৃত্রে ক্লোরাইডদ্ বর্ত্তমন আছে এই শ্বেতবর্ণ পদার্থেব স্বন্ধতা ও আধিক্যতা দ্বারা ক্লোরাইডসের দ্যনাধিক্যতা প্রতীয়মান হয়।

#### গ্রাডিমেটীক প্রথায় ক্লোরাইডসের গণনা করন।

এই কয়েকটি দ্রবা এই পরীক্ষায় আবশ্যক একটি রাসা-মনিক পরিমান যন্ত্র, ফিণ্টাব কাগজ, পেরীক্ষা নল, একটি শুদ্ধ করণার্থ উনান এবং নাইট্রেট অব সিগভার দ্রব

#### প্রতিয়া।

১ম। চিবিশে খণ্টার প্রস্রাধ সংগ্রাহ করিয়া, পরিমান লইবে। ২ম। একটি পরীক্ষা নলে পাঁচ কিউ, সেণ্টি, কিন্তা অর্দ্ধ আউন্দ সংগৃহীত মূত্র লইমী, উহাতে এক ফোটা যবকার অম সংযোগে আক্লয় সম্পাদন কবিতে হুইবে, তাহ' না হুইলে, নাইটে ট অব সিলভার দ্রব সংযোগে, ফসফৈট অব সিলভার হুইয়া অধঃস্থ হুইয়া থাকে।

তয়। এক্ষণে আমু ভাষাপন্ন মৃত্রে নাইটেট অব সিলভার মিশ্রিত কবিতে থাকিবেক যে পর্যান্ত শেতবর্ণ পদার্থ অধঃস্থ হওয়া বদ্য না হয় এবং অগ্যান্তাপে জুটিত করিয়া এইবে।

৪র্দ এক খণ্ড ছে ট ফিপ্টার কাগজ উত্তমকপ শুক্ষ করতঃ উহাব ভারের পবিমান লিপ্লিয়া রাখিবে (এই শুক্ষকবণ কার্য্য এবং ভারত্বের পবিমান জন্ম হুইটি ছোট ছোট পবীক্ষা নলের ভিতর ফিপ্টার কাগজ এবং অধংপতিত পদার্থ, বায়্ প্রবেশ করিতে না পাবে এমত প্রকারে, বন্ধ করিবে)

ধ্য সমস্ত মৃত্র ফিণ্টার করিবে এবং ফিণ্টার ও অধঃস্থ পদার্থ ওক্ষ কবিয়া পরিমান করিয়া ভারত্ব লইবে

৬ জিন্টাবের ভরতের পরিমান এক্ষণে বিযোগ করিয়া গণনা করিয়া লইবে

> অ জে টিনম্=১০৮ অ'পেঞ্চিক গুরুত্ব গ্লে রিন ...=৩৫'৫ ১৪৩'৫ সমষ্টি

ष्ठाश्च भाषार्थित भित्रियान भाषा छा। ১৪৩ ৫ : ৫ ঃ : ७৫'৫ '==১'२७ क्रोबिसा भित्रियान

#### ভালুমেট্রিক প্রথানুসাবে পরীক্ষা।

ইহাতে নিয়লিথিত জব্য গুলি আবগুকে হয় বিউদ্লেট পণত্ৰ নাইটেট অব সিলভাব প্ৰীণ্ডাৰ্ড দ্ৰব, শীতব<sup>ে</sup> ক্লোমেট অব পটাস ষ্টাগুর্জ জব এবং সিলভার দ্রব (২০'০৬৩ গ্রাম সিলভার এক লিটার পবিশ্রুত জল) এক কিউ, সেণ্টি, '০০৬ গ্রাম লবণ অম কিম্বা '০১ গ্রাম সাধারণ লবণ (ডিসেম গ্রাজু এসন জন্ম ১'০ গ্রেণ নাইটে ট অব সিলভার ১০০ ডিসেম জল); এক ডিসেম '০৩৫ ফ্রোরিন কিম্বা '০৫৮৫ লধণের সঙ্গে সমান।

#### প্রক্রিয়া।

১ম প্রেণিক প্রকারে প্রপ্রাক সংগ্রহ করিয়া অণ্ডলাল ইড্যাদি বিমুক্ত করিবে

২য একটি বিউবেট পাত্রে পঞ্চাশ কিউ, ইসেণ্টি, পরীক্ষার্থ মূলে লইয়া. ■ মিগ্রিভ করিয়া একশত কিউ, সেণ্টি, হইলে কার্নেট অব্ সোডা মিগ্রিভ করিয়া সমক্ষারায় করিবে

তয় অত্যন্ন তেলামেট অব্পটাস্ত্র মিগ্রিড করিয়া মৃত্র অন্রঞ্জিত করিবে

৪থ এক্ষণে বিউরেট পাত্র মধ্যস্থ নাইটোট অব সিলভার ষ্টাণ্ডার্ড জব পুনঃ পুনঃ আলোড়িত করিয়া ঐ রঞ্জিত মুত্রে অক্স অল কবিয়া মিশ্রিত করিতে হইবে

হয়। মৃত্র যথন উত্তমরূপ স্থায়ী রক্তবর্ণে পরিণত হইখাছে দৃষ্ট হয়, তথন নাইট্রেট অব্ সিলভার দ্ব মিশ্রণ বন্ধ করিবে। পরী• ক্ষার ফল যক্তপি এই প্রক্রিয়ায় দশ কিউ, দেণ্টি, নাইট্রেট অব্ লিভার ব্যবহৃত হইয়া থাকে, তাহা হইলে।

#### 1000X >0=1000

যগ্রপি দিন রাত্র, চবিদা খণ্টায়, ১৪০০ কিউ, সেণ্টি, মৃত্র, বিঃসত ছইয়া পুর্কে।

#### কত ক্লোরিন বর্তমান আছে জানিবার জন্ম।

সমষ্টি ৫৮'৪৯

কোবিন তথেও
গ্রাম কোবিন।
সমষ্টি ৫৮'৪৯

#### मदेन मूखम' প্রথামুখায়ী পরীক্ষা।

একটি কাঁচ পাত্রে ৫৯ কিউ, সেণ্টি, মৃত্র ছাইয়া তাহাতে বিশুদ্ধ নাইটে ট অব্ এমোনিয়ম এক প্রাম মিপ্রিত করতঃ অম্যু-ভাপে শুক্ষ করিয়া কয়লার স্থায় ক্রফ বর্ণ হাইলে, উফ জলে বিগলিত করিয়া তাহাতে অতাল্প শিক্ষা সংযোগ পূর্বক সমক্ষারাম ছাইলে, সাত বা আট প্রেণ বিশুদ্ধ কার্যনেট অব ক্যালসিয়ম, সাত বা আট ফোঁটা সমক্ষারাম ক্রমেট অব পট দ্ অব সংযোগ ক্রিবে পার একটি বিউরেট পাত্রে সতেব প্রাম নাইটে ট অব্ সিলভার এক লিটার পরিঞ্চত জলে এব করিয় উপনোক্ত ক্রবে অল্প অস্যু করিয়া মিপ্রিত করিলে স্থায়ী ফুন্দর লল আভাযুক্ত পীতবর্ণ হাইয়া থাকে।

বাইট্রেট অব্ সিলভার দ্রবের প্রত্যেক কিউ, সেণ্টি, '০০৫ গ্রাম ক্লোরাইড অক সোডিয়ম অর্থি কছন।

#### क्षमुरक्षे म्।

পুষাবস্থায় প্রস্রাবের সারাংশে ফস্ফেটের পরিমান গাতি জন্ন প ওয়' য'য, কিন্তু জলীয় ংশে জব তবস্থায় এবিই অধিক পরিমানে দৃষ্ট হয় প্রস্রাবে ফস্ফেটস্ গুলি ছই আকারে বর্তমান থাকে , কতকণ্ডলি জদ্রর অবস্থায় যথা ফস্ফেটস্ অব্, সোডিয়াম এবং পটাসিষ্ম এবং কতকণ্ডলি জব অবস্থায় যথা ফস্ফেটস্ অব্ লাইম্, ম্যাগনিসিয়া এবং এমোনিয় ম্যাগনিসিয়ান ফস্ফেটস্ এই অজবনীয় ফস্ফেটস্ অব পটাস এবং সোডা হইতেই মুত্রাশয়ে অসুবি উৎপন্ন হইবার সূচনা হয়

অনুস্থাবস্থায় যথা, নানাবিধ রোগের দেবির্বল্যাবস্থায়, আমা-শযের ক্যানদাব পীড়া, ক্ষম কাস এবং মস্তিক্তের প্রদাহ পীড়া প্রভৃতিতে প্রস্রাবে ফস্ফেটস অধিক পরিমানে নিঃস্তত হয

#### ফসফরিক অম গণনা করণ ৷

ইহাতে নিয়লিখিত প্রবাঞ্জনি আবশুক হয় বিউরেট, কিউ, সেণ্টিমিটারের এক এব দশমাংশ বিভক্ত পরিমান চিহ্নান্ধিত, চিনাবাসনের টালি, পাতকা কাঁচের বিকার এবং ষ্টাণ্ডার্ড জব সকল

- > वेखेगानिक नारेटि ए खन जिलेन शिक्षण अटम ०৫ ८३৫ গ্রাম वेखेग्रानिक नारेटि है विश्विण कतिद्वा क्षण इस। এक किউ, मिण्टि,= ००৫ গ্রাম এনহাইদ্রম ফস্ফারিক অম

থাগাপ কিউ, মেণ্টি, কুড়ি কিউ, মেণ্টি, ইউর্যানিক নাইটে চ দ্রবের সজ্যে সমান

- ত এসিটেট্ অব্সোড দ্রব একলিটার পরিশ্রুত জালে, একশন্ত গ্রাম এসিটেট অব সোডা এবং একশ্ত কিউ, সেণ্টি, বিশুদ্ধ শিক্ষা মিশ্রিত কবিবে।
- ৪ ফেরোসাএনাইড অব পটাসিয়ম দ্রব ইহণতে কবেক গ্রেম মাত্র ফেরোসাএনাইড অব্পটাস লইয়া জলে সিমিত করিবে ইহা অতি কীণ (উইক) দ্রব হওয়া আবখ্রক পরীকা কালীন প্রস্তুত করিবে এই দ্রব, ইউর্যানিক নাইট্রেট ন্যারা ফসফ্রিক অমু অধংম্ হইলে তাহ ভানিবার জ্বা (ইডি-ক্টের) ব্যবহাত হয়

#### প্রক্রিয়া,

১ম চকিবশ ঘণ্টার প্রজাব সংগ্রহ করিয়া পরিমান করিয়। লিখিয়া রাখিবে

২য একটি বিকার পাত্রে ফিণ্টার করা পধার্শ কিউ, মেণিট, মূত্র রাথিয়া তাহাতে পাঁচ কিউ, সেণ্টি, এ সটেট অয় সোভ ত্রব সংযোগ করিবে।

ত্য একণে পুর্ণোক্ত বিকাব অগ্নুজাপে তুইশত আংশ আনমহিট উতাপে স্মৃটিত কয়তঃ, উত্তপ্ত অবস্থায়, তাহণতে সাব-ধানে ইটিয়া'নিক ন'ইট্রেট দ্রব প্রায়েশ কর'ইতে হ'কিবে।

৪র্থ চিনা ধাসনের টালীর উপর অতন্ত্র ভাবে কোটা ফোঁটা করিয়া ছয় ফোঁটা ইণ্ডিকেটর পটাসিম্ম ফেরে সাঞ্ নাইড্ডব একটি কাঁচের রভ ছারা য়াধিষে। কম জনন্তর পূর্ব্বোক্ত কিলটার করা মৃত্র সংমৃত বিকার,

যাহ উত্তপ্ত করিয়া ইউরাানিক্ নাইট্রেট সংযোগ করা হইতেছে,

তাহা হইতে প্রত্যেকবার লাইট্রেট সংযোগের পূর্ব্বে, এনটি ১ড

দাবা এক এক কেঁট লইয়া, টালীর উপর স্থাপিত ইণ্ডিকেটব

দ্রবের সহিত সংযোগ করিবে

৬ঠ যখন ঐ টালীর উপরিস্থ ইণ্ডিকেটর ফোটাগুলি রক্তবর্ণ পাটকিলে হইয়াছে তথন জানা যার এই প্রক্রিয়া সম্পূর্ণ হইযাছে।

প্রত্যেক কিউ, সেণ্টি, ইউরাানিক মাইট্রেট প্রব= ০০৫ গ্রাম ফক্ষবিক অম বদাপি পঞ্চাশ কিউ, সেণ্টি, মুত্রে, দশ কিউ, সেণ্টি, ইউরাানিক নাইট্রেট দ্রব স্ংযোগ করা হায় তাছা হইলে চবিবশ ঘণ্টায় ১০২৫ কিউ, সেণ্টি, মুত্রে কত হইবে

### ই উরেটস।

৫০ x > ০২৫ + '০৫ = ফক্ষরিক অমু মুর্ট্রেনিঃস্ত হইয়াছে

स्वाविष्टाय व्यव्यात व्यवासम देखेत्रहोम व्यथानकः देखेत्रहोम यान् (माडा, भोगम, व्यानिया, माद्देम देखाणि देदेख देदभन द्वेष्ट्र भारक भीजकात्म व्यविक्षण व्याप्ताम क्रियात भन्न व्यद्धारिक पूर्य भिःमवन देखेल, व्यथिक्षण व्यनाद्दात वाकित्म क्ष्मी थाणा ७क्षण कितित्म व्यव्यात देद्दान व्यविक्षण व्यक्षियमान द्व्य देखेल्येम व्यव भित्रम व्यव्यानियात पाना "रहक्षण" "वत्रम व्यारभन" कृष्टेश्यम गारम क्षम क्षम स्वाविष्याय मृत्य (पथा यात्र देदा भृत्य वह् भित्रम स्वति देदाल महत्राहत व्यस्मान क्या द्व्य (य क्षे व्यक्ति क्षिम वक्षि मक्षदे भीषात स्वत्राहत व्यस्मान क्या द्व्य (य क्षे व्यक्ति क्षिम वक्षि मक्षदे भीषात स्वत्रभूषि देदेयाह व्यव्यक्षम हेखेल्यिकि সাধারণ তঃ মূত্র পরীক্ষায় পাওষা যায় না, কিন্তু কথন কখন ইহা হইতে মূত্রগ্রন্থী মূত্রাশয় ও মূত্রন লীর প্রদাহ উপস্থিত হয় তত্রাচ ভয়ের কোন কারণ থাকে না।

অনুস্বিত্যায়, এমক্ষণ ইউবেটন জার রোগে অতান্ত আধিকা হয়, অজীর্ণ পীড়ায়, ফুসফুন, যক্তত ও ক্রংপিতের যান্ত্রিক পীড়ায়, সর্ন্ধি, কাসী ইত্যাদি পীড়ায় কথন কথন মুটে দৃষ্ট হয় নতন অনুস্থন প্রানাহে, স্কালেটি স্থারে, বাতজ্ঞারে, একজ্ঞারে অতান্থ অসম্ভব পরিমাণে অধঃপতিত হয় ইহা মুট্রা শন্তে স্বতম্ভ বে, কিম্বা ইউরেটন অব এমোনিয়া অথবা ফন্ফেটন্ পভ্তির সহিত মিপ্রিত হওতঃ, সঞ্চিত হইয়া অধারি (পাথ্রি) উৎপন্ন হয়

# অক্সালেট্ স্

সুস্থাবস্থায় অকাটেনট্স্ নাব লাইম ও এমোনিয়া প্রশ্রাবে আজি শামান্ত চিক্ষনাত্র দৃষ্ট হুইয়া থাকে

অস্থাবহায় অজীর্ণ বোগ সমূহে, মারভাস সিষ্টেম্কে অধিক পরিমাণে উত্তেজিত করিলে, অত্যন্ত অধিক পরিমাণে আহায় বিশেষতঃ অধিক মিন্ত ফল ও মিষ্টান্ন ভোজীর, যে সকল বাজি অত্যন্ত অলম কোন কার্যা করে না, কেবল শুইবা থাকে শেহাদের প্রস্রাবে অধিক পরিমাণে অক্যালেট্ স্ দেখিতে পাওয়া যায়। কোন কোন গ্রন্থকর্তারা বলেন যে ইহা কোন কোন ব্যক্তি বিশেষের গাতুণত, যাহার নাম অক্যালিক এসিড ভাগাণিসিসিস কিয়া ত্বিকালুবিয়া মূত্রে অক্যালেট্ অব লাইম দানা যত্ত প্রকাব দৃষ্টি হয় তর্মধ্যে "ভ্যবেল" আকারের দানা প্রধান কারণ ইহা হুটিতই প্রায়ই অক্যালেট অব লাইম অ্যারি উৎপন্ন ছইয়া থাকে।

# নিউবুর প্রথানুযায়ী প্রক্রিয়া।

১ম একটি কাঁচপাত্রে পাঁচশত কিউ, সেণ্টি, মৃত্র ফাইয়া, ভাহাতে অভাল পরিমাণে ক্লোরাইড্ অব ক্যানসিয়ম দ্রব মিশ্রিত কর্মতঃ এমোনিয়া দ্রব সংযোগ করিবেক

২য অতঃপর অধঃস্থ সারাংশ সাবধানে শির্কায় দ্বারা বিগলিত করিয়া অন্ন অমাক্ত হহলেই, চব্বিশ খণ্টা কাল রাখিয়া দিবে ইহাতে অন্ন আলকোহণিক থাইমল তব মিশ্রিড করিয়া রাখিলে ইহা পচিয়া নউ হইয়া বার না

ত্ম পরে উইাকে ফিলটান করিয়া, ফিলটারের উপরস্থ দানা সকল উত্তমরূপ জল দারা ধােত করিয়া, ফিলটার কাগজ সহিত, লবণ অমের মধ্যে রাথিলে, ইউবিক জাম, যাহা মিগ্রিত অবস্থায় থাকে, দ্রব হইয়া যায় এবং ক্ষরালেট্স্তলি বস্তমান থাকে।

৪র্থ এক্ষণে অক্সালেট্স্ওলি পুনঃ পুনঃ পরিশ্রুত জলে থোত করিয়া অমুত্র হীন কমিবে

ধেন পরে বাস্পোত্তাপে শুক্ক করতঃ দানাগুলি অগ্ন পাত্রে রাধিবে এবং ঐ পাত্র জলমিশ্র লবণ অম স্বারা পুইয়া, পুনরায় শুক্ক করিয়া, দানাগুলিকে এমোনিয়া ক্রবে মিশ্রিত করিলে অক্মালেট্ অব্ক্যাণসিয়ম্ দানা দৃষ্ট হয়।

৬। অতঃপর দানাগুলি ফিলটার করিয়া, ওজন করিয়া পরিমান লইবে ও ফিলটার কাগতের উপর রাথিয়া, পরিক্রান্ত জল দারা পুনরায় ধুইয়া বাজ্পোণ্ডাপে শুক্ত করিবেক।

প্র । একণে একটি ওজন করা প্রাটিনাম ধাতুর মুচিতে ঐ ভূষ দানাগুলি অগুজোপে দেয় করিলে অক্সালেট অব ফ্যাল- সিয়াম্ দাশাওলি, ক্যালসিয়াম্ মোনোক্সাইডে পরিণত হয়

যত ওজনের পরিমাণ হইবেক, তাহ প্লাটনাম মুচির ওজন হইতে
বিয়োল ক্রিয়া ১ ৬০৭১ দিয়া গুণ করিষেক পাঁচ শত কিউ,
মোণি, মুত্রে, পঞ্চাশ অংশ লাইম এবং নবরুই অংশ অক্সালিক
আম দৃষ্ট হইয়া থাকে।

# মূক্ত অয় ( ফ্রি এপিড )।

ফ্রি এসিড গপদা কর্মণ জন্ত নিয়লিখিত দ্রবান্তলি আবশ্রক হয় পুর্বেশিক্তমত বিউরেট, বিকার পাত্র সকল; কভকগুলি শীল এবং রক্তবর্ণ লিটমান্ কাগজ

১ম ফিনল-প্যাথালিন দ্রব, (ইহা প্রস্তুতকরণ জ্বন্ত, একশত কিউ, সেণ্টি, সুরা বীর্য্যে (আসকোহল ) '২ বা ৩ গ্রাম ফিনল-প্যাথালিন দ্রব করিবে)

থ হাইডে,টেড সোডিয়ম দ্রণ এক নিটার পরিপ্রত জন্মে ৬৩৫ কটিক দ্রব করিয়া সাইবে। ইহার প্রতি কিউ, সেন্টি, ৩১০ গ্রাম জন্মালিক জন্ম।

ত্যা জাজালিক আম দ্ব এক শিটাব পবিশ্রুত জবেল,
দশ গ্রাম জন্তালিক আম মিশ্রিত করিয়া লইবে ইহার প্রতি কিউ,
দেণিট '০১০ গ্রাম আয় ইংগ সোড' দ্রবকে স্ত্রাগুর্ভাইজ
করিবাব জন্ত ব্যবস্ত হয়।

পরীক্ষার্থ মৃত্রে ছই বা তিন ফোঁট ফিনগ-প্য'থানিন দ্রব সংযোপ্পকরত, প্রাণ্ডার্ড সোড দ্রব মিশ্রিত করিতে থাকিবে যে পর্যান্ত উহা স্থানর স্বেগুনে বর্গে পদ্মিণত না-মুক্তী।

### প্রক্রিয়া।

১ম একটি বিকার পাত্রে একশত কিউ, সেণ্টি, মূত্র লইয়া, তাহাতে বিউরেট পাত্র হইতে গোডা দ্রব অতি সতর্কতার সহিত অল্ল অন্ন করিয়া পুনঃ পুনঃ যিশ্রিত করিতে হইবে।

২র প্রত্যেক বার মিশ্রিত করিবার সময় বিকার পাত্রস্থ মূত্র আনোড়িত করিবে এবং একটি রউ ধার' উহা হইতে এক ফোটা মৃত্র লইয়া, একথণ্ড লিটমস্ কাগজের উপর সংযোগ করিয়া সমক্ষারায় হইযাছে কি না জানিবে।

তয় পরীকার্থ মৃত্র সমক্ষারায় হইলে, সোডা মিত্রপ বন্ধ করিবেক এবং কত পরিমাণ অম মুজে বর্তনান আছে নিম প্রদর্শিত উপায়ে হিসাব করিতে হইবে

যদাপি চকিশ ঘণার মধ্যে ১২৫০ কিউ, দেণ্টি, প্রস্রাব হইয়া থাকে এবং পঞ্চদশ কিউ, সেণ্টি, সোভা জব ব্যবহাত হয়। তাহা হইলে, ১০০ ॥ ১২৫০ ঃ ঃ ১৫০ ('০১০ × ১৫) ॥ ক≕ মুক্ত আয়।

# গন্ধক অম ( সলফেটস্ )।

সুস্থাবস্থায় অতিরিক্ত মাংস ভোজনের পর মুত্রে ইফার আধি ক্যিত দৃষ্ট হইয়া থাকে অধিক দিবস অনাহারে থাকিলে, কিয়া কেবল শাক সবজি থাহার করিলে ইহার মাত্রা অত্যন্ত স্বল্প হইয়া খায়।

অস্মাবস্থায় যক্ষতের পীতবর্ণ ক্ষয় মোনীর মূত্রে ইহার অক্সতং দুষ্ট হইয়া থাকে।

প্রস্থাবে সলফেট্দ্ বর্জমান আছে কি না জানিবার জান, মৃত্র তি অন্ন লুবণ ডাইকি, সুংযোগে অমাজ করিনা, ভাহাতে ফোরাইড কিমা নাইটোট অব বেরিয়ম দ্রব মিশ্রিত করিলে খেডবর্ণ পদার্থ অধঃস্থ হই 

তথি

### मनरकं अनन। क्त्रन।

ইহাতেও পূর্বোক্তের ভায় ত্রব্যগুলি এবং নিম্নলিধিত স্টাণ্ডার্ড দ্রবগুলি আব্যুক হয়

- ১। বেরিয়ন ক্লোরাইড জব। এক লিটার পরিশ্রুত জলে, ৩০'৫ গ্রাম বেরিয়ন ক্লোরাইডের দানা জব করিয়া লইবে ইহার প্রতি কিউ, দেণ্টি, '০১০ গ্রাম এনহাইড্রাস গন্ধক অম
- ২। সলফেট অব্পটাস ত্রব এক নিটার পরিশ্রুত জনে ২১'৭৭৮ প্রায় সলফেট অব্পটাস ত্রব করিবে। ইহার প্রতি কিউ, সেণ্টি, '০১০ গ্রাম এনহাইড্রাস গদকে অম ইহা বেরিম্ম ত্রব স্থার্ডাইজ করণ এবং পরীক্ষার জন্ম আবশ্রুক হয়। পরীক্ষা করিবার পূর্বের্গ ত্রব সকল নত্ত হইয়া গিয়াছে কি না, পরীক্ষা করিয়া ত্রেথা কর্ত্ব্য।

### প্রতিয়া।

- ১ম একটি বিকার পাত্রে একশত কিউ, সেণ্টি, মৃত্র লইয়া,
  লবণ অয় সংযোগে অয়াক্ত করিবে কারণ তাহ হইলে মৃত্রস্থ
  ফদ্ফেটদ্ সকল অধঃস্থ হইবে না
- ২ম পরে জাগাজাপে কাটিত করিয়া উফাবস্থায় উহাতে বৈরিয়াস ফোরাইড দ্রব মিশ্রিত করিতে থাকিবৈ যে পর্যান্ত না সমস্ত গন্ধক অম অধঃস্থ হয়।
- ্ম। যদ্যপি সলফেট্ অব্ সারাএটা অধঃস্হওয়া বন্ধ না হয় তাহা হইলে ছুই একবার বিশাসর ক্রিয়া, তাহাতে

ক্লোরাইড অব বেরিয়ম দ্রব সংযোগ করিলে এই কার্য্য সম্পূর্ণ হইবেষ। ইহার গণনাব হিসাব পূর্বেলাক্ত গণনাব স্থান

# অশুল'ল ( এল'বিউমেন ) :

সুস্থাবস্থাৰ প্ৰাপ্তাৰে অগুলাল আদে চুষ্টি হয় না কদাচ কোন কোন প্ৰাপ্তাৰে ইহার চিত্রমাত্র দেখিতে পাওয়া গিয়াছে

অসুস্থাবস্থায় ব্রাইটস্ ডিজিজে প্রপ্রাবে যে দন জনাট খেতবর্ণ ' পদার্থ দেখা যায় তাহা সিরমএলবিউমেন ও সিরমগ্লোবিউলিন অথবা প্যারাগ্নোবিউলিনের মিশ্রণ এই সকল জব্য রক্ত কণিকার मारेकात मााजूरेनिम পদার্থের অহাতম সমষ্টি এবং উহাতে সর্মাদা ু বর্তমান থাকে ইহাদের বিভক্ত করিবার নিমিত যথেষ্ঠ পরিমাণে সলফেট অব্ মেগনিসিয়া ফিল্লাভ করিবে ডাহা ছইলে সিরম-এলবিউমেন, ম্যাগনিসিয়ার সহিত সন্মিলিত হইয়া যায় এবং প্যার্রায়োবিউলিন অধঃস্থ হইয়া থাকে প্রস্রাবে অভ্যন্ত পরিমাণে অগুলাল দৃষ্ট হইলে কোন ভয়ের কারণ হয় না দিন দিন অওলালের পরিমাণ বর্দ্ধিত হওগা এবং স্থাগীভাবে দৃষ্ট হইলে বিশেষ আশঙ্কাজনক হইয়া থাকে মুনেগ্রন্থীর শিরা নমূহ এবিং ভিন কেভা কোন প্রকাবে সঞাপিত হইলো, রক্ত ক্ষিকার কোন পরিবর্ত্তন হইলে, গর্ভাবস্থায়, মৃত্রগ্রন্থীব কৈশিক শিরা সকলের অল অল করিয়া রক্তাধিক্য হইলে ও রক্ত মূত্রনালীতে প্রবেশ করিলে মূত্রে অওলাল পাওয়া যাইতে পারে। এল্বিউ-ু মিনোবিয়া পীড়া সাধারণতঃ যাহাদের মস্তিক্ষ চালনা দারা কার্য্য ক্রবিতে হয় তাহাদের, অলাহারী, অনশন, অনারত অবস্থায় থ্লাকা, জ্বন্ধি অপরিশ্বত স্থাক্ষে বাস্ক করা প্রভৃতি কার্মের রক্ষি প্রাপ্ত হইয়া

গাকে জ্জীর্ণ রে শীনা শীতন মলে স্বান কবিলে এবং অত্যধিক ব্যাযাম ক্রিয়াতে এন্বিউমিনোবিয় বোগ উৎপন্ন হয স্ত্রীলোক-দৈর শতু সময়ে প্রস্রাবে কথন কখন অগুলাল দৃষ্টি হয জীবন বিনা কোম্পানিবা যাহার প্রস্রাবে অগুলাল বর্তমান থাকে ভাহাব জীবন বিন কবিতে ইতস্ততঃ কবেন।

ভাজার পেতি সাহেব, প্রস্রাবে যে অগুলাল দৃষ্ট হয়, তাহা তিন এেণীতে বিভক্ত কবিয়াছেন —

১ম যে প্রাক্রাবে অপুলালের কেবল চিত্রনাত দৃষ্ট হয

২য যে প্রস্রাবে অধিক পরিমাণে অওলাল দৃষ্ট হয়।

ত্য যে প্রস্রাবে চকিশে ষণ্টার মধ্যে কেন কোন সময়ে অগুলাল দৃষ্ট হয় এবং কেন কোন সময় আদে চিহ্ন গ্রান্ত পাওয়া যান না। ইংকে সাইকিলিক এলবিউমিনোরিয়া কছে

জীবন বিসায় পথ্য ও তৃতীয প্রক'ব প্রপ্রাবে যদ্যপি ব্রাইট্ স্ ডিজিজএর কোন সন্দেহ ন থাকে তাহা হইলে জীবন বিমার প্রশংসাপত্র দেওয়া যায়। দ্বিতীয় প্রকার অত্যস্ত সন্দেহজনক ডক্রান্ত বহুদিবস সতর্কতাব সহিত মৃত্র প্রীকা কবা আবশ্যক।

#### পরীক্ষা

অওলাল নানাবিধ উপায়ে পবীক্ষা করা যায়। তন্মধ্যে সাধা-বণ হঃ উত্তাপ ও যবকাব অমুদ্বারা একত্র কিন্দা পৃথক করিয়া পরীকা কবা হয় প্রস্রাব অমু ভাবাপন থাকিলেও প্রথমতঃ উত্তাপে স্মৃট্টীত কবিনা যবকারে অমু সংযোগ করিবে

#### উত্তাপ

' স্ব একটি ছে ট কাঁচের নলের ছুই ইঞ্চি পরিমাণ পরিক ব মূত্র গইবে। ২য মৃত্র ক্ষাব হ**ইলে (লিটম**স্ কাগজ দারা পরীক্ষা করিয়া) এক কিমা **ছই ফোঁটা শীর্কায় সংযোগ করিতে** ছইবে, (কাবণ প্রস্রাব কার বা সমক্ষারায় থাকিলে অওলাল উত্তাপ দার অধঃস্থ হয় না)

ত্য একলে ঐ কাঁচের নলের মুত্রের উপরিভাগ কিনিৎ
বক্রভাবে একটি স্পিরিট ল্যাম্পের শিথার ধরিয়া উতপ্ত করিবে;
উচ জুটিত হইলে শ্বেতবর্ণ ঘোলাটে জনটে দ্রব উপরে ভাসমান
দেখা যায়, ভাহা অগুলাল, কিশ্বা ফম্ফেটস্ হইতে পাবে, ভজ্জগ্র উহাতে তুই হইতে দশ কোঁটো ব্যক্ষার আমু সংযোগ করিলে
ফক্ষেটস্গুলি দ্রব হইয়া যার, অগুলাল সংষ্ঠ ইইয়া স্থামীকপে
বর্জনান থাবে

স্ত্রকে অমুক্তক বণ জয়া শীক্ষি সাবধানে ব্যবহার করিবেক,
নত্ব যবকার অমু ঘাবা অভি সতক না হইষা অমাজ কবিলে
স্ত্রেম্ অওলাল দ্রব হহমা মুত্রে মিগ্রিড হইমা যায়

#### য কক্ষার অম।

১ম ইছ পুর্বোজের স্থাব একটি কাচেব নলে জন্ন প্রিমাণে মূত্র লইয়, বক্রভাবে একটি স্পিনিট ল্যান্সে উত্তপ্ত ক্রতঃ জ্বুটিও ক্রিবে।

২য একটি পিপেট দার অঙ্গ বিশুদ্ধ খবক্ষাব অমু অঙ্গ অঙ্গ নলেব পার্থ দিয়া ঢালিয়া তলদেশে প্রবেশ করাইবে

ত্য একণে ঐ মৃত্য ও যবকার অমের সংক্ষার সংক্ষার করে আজুলাল সংযত হইষা একটি শ্বেতবর্ণ বন্ধনীৰ তাম চিক্ল দেখা যায়

কেই কেইএকটি প্রবীক্ষা **নলে অত্যন্ত যবক্ষাব অনু** স্বাধিয়া বক্রভাবে ধরিষ**্পরীক্ষ থ**ুমূত্র পিপেট**্রদাবা অল্ল অল্ল** করিয়া নিপ্রিত কক্ষেন। যদাপি অগুলাল অতি অন্ন পরিমাণে ঐ মৃত্রে বর্তমান থাকে তাহা হইলেও চুই এক মিনিটের মধ্যে অগুলাল সংযত ইইযা খোকে এই প্রথা সকলা প্রকার পরীক্ষ হইতে, এমন কি উত্তাপ কিন্তা কেরো-সাঞানিক অন্ন এবং পিত্রিক অন্ন প্রভৃতি হইতে, সৃন্ধতম এবং নিশ্চিত পরীক্ষা এই পরীক্ষায় অত্যন্ত সভর্ক হওবা নিতান্ত আবশুক কাবণ মৃত্রে ইউবিয়া, ইউরেট স্ মিপ্রিত থাকিলে অগুলালের সহিত এন হইবার সন্তাবন। কখন কখন তার্পিন তৈল, বালসাম কোপেবা ইত্যাদি সেবনে অগুলালের সহিত ভ্রম হন্ন এবং পরীক্ষার লোধ হইবা থাকে উত্তাপদালা বালসাম কোপেবার খেল টে ভাব দূর ইইয়া থাক কোন কোন প্রস্রাব ঘবক্ষার অন্নের সহিত জুটীত করিলে ত্র ওবদার অ'ব রক্তর্ব হইব' থাকে ইহ কেই রে'সেন্বা আর রিএকসন্ কহে বেনিসেন ব্যাক্ষ সাহেব বলেন, ইহা দারা অত্যন্ত ভ্রমর ভাবী ফল ঘটিবার সন্তাবনা, তাহা জানা যায

### উত্তাপ এবং যবক্ষাৰ অম।

এই পরীক্ষাণ মৃত্রকে স্থাটিত করতঃ অল্ল অল্ল করিয়া যবক্ষার অল্ল সাবধানে নসংখোগ করিতে হইবে ইহা পূর্কেই একস্পকার বর্ণনা করা ইইয়াছে।

ববার্চ সাহেবের উন্নত প্রণালীতে যবক্ষার আম

দশ ভাগ সলফেট অব সাাগনিসিয়া, তেব ভাগ খুন্টিত পরি
ইাত জুলে বিগলিত কবতঃ, ফিনটাব করিয়, তাহাতে যুবক্ষার অম

১০৪ মা, ও, সিভিত্রু করিবে এই জিভারোব অভ্যন্ন পরিমাণ

একটি পৰীক্ষ নলে বাপিয়, সম গ্রিমাণে গ্রীক্ষার্থ মূল সংখ্যা ক্রিলে, সূত্রস্থ অওলাল সংযত হইয়া খে ৩বর্ণ দৃষ্ট ১য় এনন কি অভাল অওলাল থাকিলেও দশ শিষা গ্রের নিটি পরে খেতবর্ণ ■ দার্শ ৩ধঃর হইয় খাকে

ডাক্তাব পেভির ফেরো সাএনাইড পবীক্ষা।

वहे निर्धाक य श्रमान कहेर ज जलनान, रिन्ता गार्थन हें जिन निर्धान वा रिगाल, मीकांम ज्ञवेच ज्ञानाम (महिए के विभित्र) ज्ञारतात विर्धान कर होंगा ज्ञार हहें या ज्ञार हांगा वांगा वांगा

ইত ও জানা আবশ্রক যে সকল বাজির মৃত্র পরীশা করা হইবে তাহ বা তৈলাক্ত ধ্ন মৃত্র ঔষধালি সেবন করিলে গরীকার বাাণাত জন্মে, ডজ্জেশু সাবধানে পরীক্ষ করিবে প্রস্থাবে অধিক পৰিমাণে লিখেট্স্ বর্তমান থাকিলে উত্তপ্ত করতঃ উহাকে বিহ্ছত করিয়া পনীক্ষা করিবে

ডাওগব জনসন্মতে পিত্রিক জায়। ১ম জুটিত ইরিশতি জন পিত্রিক জয়ের সহিত মিলিভ করতঃ ঘনু দ্রব (স্থাচুরেটেড সলিউসন) করিবে শীতল হইলো, উপরকার অংশ ঢাগিয়া নাইয়া ব্যবহাব করিবে

২য একটি ছম ইঞ্চি লমা পরীক্ষ নলে, চাবি ইঞি - রিমাণ প্রস্থান লইমা, উহাতে ইউনেট্স্ বর্ত্তমান থাকিলে উত্তপ্ত কবিবে

ত্য একণে পরীকা নলটি বক্তভাবে ধবিয়া পিক্রিক অম দ্রব অল অল কবিষ সতর্কতাল সহিত এক ইঞ্চি পবিমাণ ঢালিবে খাহাতে উহা উপরকাব মুত্রের সহিত মিশ্রিত হয়

वर्ष धक्रांत भवीकै। ननि त्रांका कारण्य होए वाशिया मित धिवात प्रश्नान वर्जमान था करन, शिक्ति प्रभ नश्रात प्रश्नात प्रश्नात वर्जमान था करन, शिक्ति प्रभ नश्रात प्रश्नात प्रश्ना

### ফদ্দরিক অম ।

যবন্ধাব অন্নের পরিবর্তে, মেটা ফক্ষরিক অম স্ত্রন্থ কঞ্ল'ল পরীক্ষার্থে কখন কখন ব্যবহৃত হইমা থাকে ফাব্যাকে পিয় তে অওললি, এই অন্নের অস্তিত্ব পরীক্ষা জন্ম বিরত হইমাছে

#### অগুলাল গণনা করণ।

এই কার্যোর জন্ত নিয়নিথিত জব্যগুলি ভা বশুক ছয় । বিউ-বেট পাত্র, শুষ্ক চরণার্থ পাত্র ( ইভাপদেটিং ), ফিল্টার কাগজ, সান ষম্র এবং নাইট্রেট ভাব দিলভার দ্রব

### প্রক্রিয়া।

১ম। একটি বিউরেট পাত্রে প্রধাশ কিউ, সেণ্টি, প্রস্রুষ রাখিয়া, ইহাব প্রায় এক কিউ সেণ্টি, প্রস্ত্যেক নাবে অর্ধ ছটাক উফু পরিক্রুত জলে প্রবেশ কবাইবে

হয় যথন সমস্তঃ পঞ্চশ কিউ সে টি, মৃত্র উফ পরিক্রত জলে প্রবেশ করান শেষ হইবে, তথন এক কিরা তুই কোট শীক্ষিয়াবা অমাক্ত কবিবে।

তথা একাণে ঐ সকল জন সিল্রিড মৃক্ত, পূর্বে মান্যম্যে ওজন কবা ফিণ্টার কাগজে,। ফিণ্টার ক্রডঃ পাত্র সংলা সমস্ত অগুলাল ইত্য দি পদার্থ ফিণ্টাব কাগজের উপর বাধিবে

৪র্থ। পরে কিণ্টার স্থিত অধঃস্থ পদার্থ উফ জল দাব ধৌত করিতে থাকিবে যে গ্রান্ত না পৌত জল, নাইটোট ছব সিশক্ষার দ্রের সংযোগে কোন পদার্থ অধঃপতিত না হয় যাছাকে কোরাইভায় ও ফম্ফেট্স্ বলা যায়।

ধ্য অবশেষে দি টাব বাগজ এবং অগঃস্থ পদার্থ শুক্ত করতঃ, গুজুল কবিয়া, সমষ্টি হইতে দিণ্টাপের ওফল বিয়োগ কবিলে অগ্ত-লালের ওজন পাওয়া যায়

क × थे — न जिल्लाम ) क — निश्ठ असारवर मगरि।
थ= भवीकाय द्वार्श जलनारनत्र जलन ि

# **এ**ড়াক্রণর রবার্ট সাহেবেব জল যিশ্র গণন

এই প্রক্রিয়ায় তুইটী দ্রা আবগ্রক হয বড একটি কাচের জাব যাহাতে ছই কিম তিন হাজাব কিউ, সেণ্টি, তবল পদার্থ রাখ যায় এবঃ মাপ চিত্র ক্ষিত পিগেট যাহাতে পাঁচ কিউ, সেণ্টি, বিশুদ্ধ যবাক্ষাৰ অম বাখা যায়।

১ম একটি কাঁচেব জাবে পাঁচ কিউ, সেণ্টি প্রশ্রাব র খিন, তাহাতে পাঁচ কিউ, সেণ্টি, পরিশ্রুত জল এবং ক্ষেক কেঁটো যুবস্গাব অমু সংযোগ ক্ষিবে

২য় য়য়য়ি উহা খোলাটে সাদাবর্ণ হয় তাহ হইলে পুর্বিম্ ৩ পুনবাম জল ও মবক বারু সংযোগ করিবে

ত্য প্রেলাক্ত প্রকারে প্রঃ পুনঃ জব্দ ও ফনজাবায় সংখোগ করিতে থাকিবে, যে পর্যান্ত না উহা আর্দ্ধ মিনিট কাল স্থিব ভাবে রাখিলে অয়তের প্রতিঘাতের কার্য্য না হা কিন্ত আর পনেব সেকেও কাল বাখিলে অল অস্বচ্ছ হইয়া থাকে প্রণনাব ফল জ্লাত হইবার জন্ত, যতবার জ্লা মিশ্রণ করা হুহু যাছে তাহাকে পাঁচ দিয়া হবং করিয়, ভাগফলকে ০০০ও দিয়া গুণ কবিবে যাই ফল হইবেক তাহা অগুলালের শতভাগের সমন্তি ছানিবে

ডাতগ্ব এস্ব্যাক্সের প্রথায় অগুলালেব গণনা ইহাতে এস্ব্যাকা যান চিত্নাধিত নল এবং দ্রব (বি-এজেট) অবিশ্বক হয

এস্ব্যাক্সেব বি-এম্বেণ্ট প্রস্তাত করিবাব দেশু, এক নিটার ফুটিঙ পরিশ্বত জনো, পিত্রিক তায় সত্তব গ্রেণ এবং জন্মীর তায় একশত চলিশ গ্রেণ বিং নিউ করিয়া নইবে।

### প্রক্রিয়া।

এদ্ব্যাকা সাহেবের गান চিহাকিত নলে 'ইউ' চিহ্ন পর্যান্ত প্রস্রাব লইয়া ভাষ্যতে 'খাব' চিহু পর্যান্ত রি এছেট ডালিয়া উহাতে কাউচুকেব ছিপি বন্ধ কবতঃ, আলোভিড ন কবিয়া বেবল নলেব উপর দিক নিচে ও নিচের দিক উপরে এইকপ কমেকবার কবিয়া, পরে সোজ করিয়া স্থিবভাবে দিনরাত্রি চবিবশ ঘণ্টাকাল বাখিব দিতে ইইবে আ গুণর অগুলাল সংযত হইয়া ঘন খেতবর্ণ জ্যাট পদার্থে পরিণত হয় এবং নলের পরিমাণ চিব্ল দারা অওলালের পরিমান ভাতে হওষ যার এই অঙ্ক দারা ভান্ধ অওলালেব ওজন স্গস্ত অংশ দশ দিয়া হরণ কবিলে ইহার শভক্ষা অংশ পাওয়া যায় যদাপি সংযত অগুশাল ০'৪ চিল্লে থাকে, তাহা হইলে জানিতে হইবে সহজ্র অংশ প্রজাবে চারিভাগ অঞ্জাল বর্ত্তমান আছে প্রস্রাবে অধিক মান্তায় অওলান্ধ বর্ত্তমান থাকিলে স্ক্রতর পবীক্ষা যল জানিবাৰ জন্ম, প্ৰভাবে উহাব সমষ্টির এক কিম তুই ভাগ পরিশ্রাত জল মিশ্রিত কবিয়া লইবে এবং পরে যত অংশ মিশ্রিত কবিবে তাহা গুণ করিয়া লইবে। প্রস্রাব অধিক ক্ষার হইলে অত্যন্ন শীক মি সংযোগে অমাজ্য করিবে। প্রজ্ঞাবেব সহজ্ঞ অংশে ৫ পাঁচ অংশেব অল্প অওলান বর্ত্তমান থাকিলে ঐ প্রাক্তিমাব দার গথার্থ গণনা হয় না এই প্রক্রিয়ার এদ্ব্য কা্ মান চিহ্নাদ্ধিত नन लखन नगरतत छाडेन खानार्थरमत (भाकारन भाखरा। गाग ইহাও শ্বণ রাথা আবশুক যে পিঞিক অমু মুত্রন্থ প্রোটিড ~थमार्थक्षितिदक व्यथः इकदि उद्धाश भूतदक भूदिवासिथिङ ध्वकाद সলফেট ভাব ম্যাগনিসিয়া মিশ্রিত করিয়া পরীকা কর্ত্তবা।

#### শর্করা।

সুগ্ৰন্থায় প্ৰপ্ৰাবে শকরার কেবল মাত্র চিচ্ছ পাওবা যায়
ত সুস্থাবহায় মধুনেই বোলের প্রস্থাব শকরি, অধিক গণিনামে
দৃষ্টি ইইলা থাকে সমুনেই রোগে প্রস্রাবের স্বাভাবিক গুলুই
১০০২ ইইডে ১০৭০ পর্যান্ত ইইয়া থাকে কার্বস্থান প্রদুষ্
পদাহ, ব্রনস্কাইটীস এবং বুসফুসের টীউবার কিউলার বোগাদিতে
শকরি কখন কখন প্রস্রাবে দেখিতে পাওয়া যায

# টু মাস' পরীক্ষা।

১ম। একটা প্ৰীক্ষা নলে এক ইঞ্চিপ্ৰিমান সন্দেৱজ্ঞনক প্ৰস্ৰাব লইয়া, ভাহাতে অল প্রিমানে সলফেট অব কপর দ্রব সংযোগ কবিলে নীলবুর্ণ হুইবে। \*

২য এক্ষণে উহাতে ঐ নশেব এক ইণি প্রিমান পটা স দ্রেব সংযোগ কবিবে ইছাদেব উভযের যিশ্রনে হরিত বর্ণ আভা যুক্ত নীলবর্ণ পদার্থ অধঃস্থ হইয থাকে, কিন্তু উহা আলোডিত করিলে পুন্বায় দ্রবীভূত হইয়া যায়

কপৰ দ্ৰব সংযোগে প্ৰস্ৰাবে অধঃপতিত পদাৰ্থ অদৃশ্ হট্ৰ যাওয় এবং নীলবৰ্ণ তবল পদাৰ্শ হওয় যে শক বার বর্ত্তগান আছে ভাহাও নিশ্চয় পৰীক্ষ নয়

#### क्षिश्म जन

वाकारत राजिश्म अव नारम घाटा निकृत हत्न, ठाहा जानराज छ न् वर्ण्य किया प्राप्त छ वर्ण्य प्रदेश प्राप्त छ वर्ण्य प्रदेश किया प्राप्त छ वर्ण्य किया प्राप्त छ वर्ण्य किया प्राप्त छ वर्ण्य छ जात चित्र च व्यक्त च वर्ण्य च वर्ण च वर्ण्य च वर्ण्य च वर्ण्य च वर्ण च वर्ण्य च वर्ण्य च वर्ण्य च वर्ण्य च वर्ण्य च वर्ण च वर्य च वर्ण च वर्ण च वर

# মুর স্ পরীকা।

একটী পনীক্ষ নলে, প্রস্রাব এবং পটাস দ্রাব পত্যেকেব এক এক ইঞ্চি পরিমাণ করিয়া লইয়। জ্পিরিট ল্যান্সে ফ্টাত করিলে যক্তাপি গুল্লাবে শকরা বর্ত্তমান থাকে, তাহা হইলে উহা পাঢ় পাটকিলে বর্ণ হয় প্রস্থাবে গন্ধক এবং অগুলাল মিশ্রিত থাকিলে এবং পটাস দ্রবে সীম ধাতৃব কোন যৌগিক পদার্থ মিশ্রিত থাকিলে, সূত্র ক্ষৃতিত কবিলে পাটকিলে বর্ণ হইয়া থাকে। তল্পত্র পরীক্ষ অতি সত্তক হইন কবা আবশ্যক

### পি ঞ্ৰিক অম পৰীকা

একটী পরীক্ষ নলে এক ইঞ্চি পরিমাণ প্রজাব লইয়া, অর্ধ ইঞ্চি পরিমাণ পটাঃ তুর্ব ফিন্টোত করতঃ, দিশ কিন্তা বার ফোটা শিক্তিক জুমের স্থাচুরেটটেড দ্রব সংযোগ কবিবেক এবং এক মিনিট কাল পিথবিট ল্যান্সে ক্ষৃতিভ করিবেক যন্তাপি প্রজ্ঞাবে শর্কারা বর্তমান থাকে তাহা হইলে পীতবর্গ পিক্রিক অম পরিবর্তিত হইয়া গাত রক্তবর্গ পিক্রিমিক অমে পবিণত হয় এই পরীক্ষাতেও শর্কার পরিমাণ জ্ঞাত হওয় যায

# রবার্চ সাহেবের প্রজিয়া মতে গণনা

১ম চকিংশ ঘণ্টার গুজাব সংগ্রহ করিয়া সভক ভার সহিত পরিমাণ লইবে

২য় তুল্টী আট আউন্দ সাপের শিশি নাইয়া, উহার একটীতে চারি আউন্দ প্রজ্ঞ ন এবং ভাহাতে অহা পরিমাণে মঞ্জের ফো (ইয়েন্ট) এবং অপর শিশিতে কেবল ঐ চারি আউস প্রেশ্র কাইবে

ত্য শিশি হুইটী উত্তমকণ ছিপিবন্ধ কৰতঃ চকিষ্ণ স্বৰ্ণী কাল একটী উফ্ স্থানে বাধিয়া দিবে

৪র্জ পরে ছুইটি শিশির দুত্র পৃথক পৃথক মৃত্তেব মাণেৰ গ্লাসে ঢাগিয়া স্বাভাবিক শুরুত্ব লইবে।

ে মদ্য ফেণা মিপ্রিত প্রভাবের স্বাভাবিক শক্ষের যত তাংশ অন্ত প্রভাবের স্বাভাবিক গুক্তৃহিতে জন্ম হইবে, ভাছাতে জানা যায়, প্রভাবেব প্রতি আউন্দে এক গ্রেণ করিণ শক্রা বর্তনান আছে

# ফেহলিং প্রক্রিয়ানুষায়ী গণনা ,

নিংশিষিত দ্রবাগুলি এই ক'র্ণো জা'বপ্রক হয একটি বিভিবেট ও ষ্টাগু; বপ্স কর্ণার্থ পাত্র, বুনসেন বর্ণার ষ্টাগুর্ভি তাম দ্রব ক্ষেত্রলিংন্ দ্রব জত্যন্ত শীব নষ্ট হট্যা যায তঙ্গন্ত নিংলিখিত দ্রবগুলি পৃথক ক্ষিয় প্রন্ত ক্রতঃ কার্যাকালো গিনিত ক্রিবে

১ম তাম দ্রব এক নিটের পরিশ্রুত ক্সনো, ৩৪ ৬৫ গ্রাম্ দারাদার সলফেট অব কণব বিগলিক ক্রিয়া লাইবে ইছার দশ কিউ, সেণ্টি, '০৫ গ্রাম মধু মেহের শক্রা ৭ রিল্ফিণ্ড ইয

২য় টার্টরিক কার অব একবিটার পরিপ্রত জ্বল,
১৭০ গ্রাম টার্টারেট অব পটাশ এবং সোজা এবং জাশী গ্রেণ,
ছাইডেট অব পটান বিগলিত কবিষে ইহার দশ কিউ সেণ্টি,
এবং ডাগ্র জবের দশ কিউ, সেণ্টি, প্রত্যেক গণনাম আহম্যক হয

ত্ব ষ্টাণ্ডার্ড শ্বর্ণা দ্রব চাবি আউন্স পরিপ্রাত প্রবেশ শহরে প্রাম বিশুদ্ধ ইক্ষ্ণ শব্দিরা আন্তাপে দশ মিনিট কাল স্ফুটিত কবিবা, উহাতে পাঁচ ফেন্টো দল গলকায় সংযোগ কবিবে পরে উহাতে কটিক সোডা মিন্তিত কবিবা সমক্ষারাম হুইনো পরিক্রত জল সংযোগে ভূইণত পঞ্চাশ কিউ, সেণ্টি, করিবেক ইহার চল্লিশ কিউ, সেণ্টি, ১০৫ গ্রাম শব্দিরা গ্লিকোজ পদার্থ) কপার দ্রবের পরীক্ষার জন্ম ইহ ব্যবহাত হয়

#### প্রক্রিয়া

भाग हिन्दिन चलीव अञ्चाद मः श्रष्ट कविद्या, जावधारम् शिव्र-भाग लहेरव। ২য ■ দশ কিউ, দেণিট, প্রাঞ্জাব একশত নকাই বিউ, মেণিট, পরিঞ্চত জলে মিগ্রিত করতঃ, একটি বিউরেট পাত্র ইছা দ্বারা পূর্ণ কবিবে

ত্য দশ কিউ, সেণ্টি, হিসাবে এত্যেক দ্ৰ গুটা হইতে লইয়া, ভাহাতে ডিরিশ কিউ, সেণ্টি পরিক্রত জল নিব্রিত ক্বতঃ, বাস্পা ক্ষণ পাত্রে বাখিয়া ক্ষুটিত ক্বিবে

৪র্থ এক্ষণে ঐ ক্ষুটিত গিশ্রণে বিউরেট পাণস্থিত জ্ঞানিশ্র মূত্র সংযোগ করিবে ও কাঁচদণ্ড দারা নাড়িতে থাবিবে

থম যথন দেখিবে যে তাত্র দ্রবের বর্ণ নন্ত হইনা গিবাছে, তথন বিউরেট হইতে মৃত্র মিশ্রাণ করা বন্ধ কবিন দিবে এবং দেখিবে কও পরিমান জলমিশ্র মৃত্র ব্যবহাত হইয়াছে এবং যাহ ভাবশিষ্ট আছে তাহা লিখিয়া লইবে।

একাণে মৃত্রস্থ শার্ক রার গরিমান হিমাবের জন্ত, জলমিশ্র 
নৃত্রের যত পরিমান কিউ, সেণ্টি, তান্তা দ্রবকে নপ্ত করিবার জন্তা
বাবহুত হইণাছিল ভাহা কুড়ি দিয়া হরণ করিলে, মৃত্রের কিউ,
সোণ্টি, সংখ্যা পাওয়া যায় এবং উহা ৩৫ গ্রাম শার্ক রার সমান
ঘদ পি যট কিউ, সেণ্টি, জলমিশ্রা শ্রে ব্যবহৃত হইয়া
থাকে ভাহা হইলে, ই৯াকে কুড়ি, দিয় হবণ করিলে, তিন ভাগফল হ্য সমস্ত দিন রাত্রিতে তিন হাজার কিউ, গেণ্টি, মৃত্র
নিঃস্ত হইলে ৩:৩০০০ . ৩৫ বি==

# পেভি সাহেবেৰ প্ৰথানুযাধী গণন

নিগনিথিত দ্বাড়লি এই কার্য্যে আবশ্রক হয একটি একশত মিনিয়েব মিনিম মান চিহাঞ্চিত পিলেট, স্পিনিটল্যাম্প, মান চিহাঞ্চিত মাপের গ্লাম, চিনা মাটীব ডিস পাত এবং একটি ইাও এবং নিয়লিখিত তুইটি দ্রব

- ১ স্থাদেট অব কপর দ্রব দশ আউন্স পরিঞ্জি জালো তিনশত বুড়ি গ্রেন সলদেট অব কপর দ্রব কবিয়া লইবে।
- ২ টার্টারিক ক্ষাব দ্রবা দশ,আউদা পবিশ্রুত জলে সোমিউদম প্টাসিয়ম টার্টারেট ছয় শও চল্লিস গ্রেন এবং পটাসিক হাইড্রেট বাব শত আশী গ্রেন

এই উভয় দ্রবেব একশত মিনিম একত্র সংখোগ কবিলে, বহু সূত্র বোনের শকবি অধি গ্রেন হিদাবে পাওয়া যায়

### প্রক্রিয়া।

১ম ু চবিবশ ঘণ্টার প্রপ্রাব সংগ্রহ কধিয়, পরিমান লইবে ২য়। অর্দ্ধ আইন্স প্রস্রাব একটি শিশিতে লইয়া তাহাতে অর্দ্ধ আউন্স পবিশ্রুত জন মিশ্রিত করিবে ইহাতে চাব গুণ জন মিশ্রিড করা যাইতে পাবে

ত্য এক্ষণে প্রীক্ষার দ্রব গুইটি সম্ভাগে মিশিত করিয়া উহ হইতে একশত মিনিগ পিপেট দ্বারা চিনা বাসনে রাখিবে

৪র্থ চিনা বাসনস্থিত দ্বৰ, ম্পিরিট ল্যাম্পে ক্ষাটিত করিবে।

ধ্য পরে ঐ পিপেট দার। জল মিশ্র মূত্র অল্লে অল্লে দ্বুটিত ভাগ্র দ্বে মিশিত করিতে থাকিবে, এবং প্রত্যেক বার সংযোগের সময় একু একবির সালোড়িত করিয়া লইবে ৬ৡ ■ যথন দেখিবে তাম্রেব নীলবর্ণ অদৃশ্র হইয় ছে, ৩খন কার্য্য বন্ধ করিবা ভলসিশ্র মূত্র কত মিনিম ব্যবহৃত হইমাণে, লিখিয়া নাইবে-

একানে দেখিতে হইবে, যন্তাপি তুইশত আউন্স মূত্র নিঃ ছত হা থাকে ভাহার কত অংশ সম পরিমানে পণিঞাত গুল দিশি দিলিও কথা হইয়াছে ভাহা হইলে একশত মিনিস জল দিশ মূত্রে পকাশ মিনিস মূত্র বর্ত্তমান আছে বোধ কর চল্লিন মিনিম জল মিত্র মূত্র একশত মিনিস ভাম জবের বর্ণ নপ্ত করিয়া থাকে: ভাহাতে জন যায় যে প্রত্যেক চল্লিন মিনিমে এক গ্রেণ করিয়া শক্রা বর্ত্তমান আছে ভাহ হইলে এক অউন্স মূত্রে ব ব গোণ শক্রা থাকিবেক ১২০০০ আউন্স=২৪০০ গ্রেণ শক্রা।

# পেভি সাহেবের উন্নত প্রথায় শর্করা গণনা।

ইহাতে নিমলিখিত জবাগুলি আবশ্যক হয় একটি শুটি ল্যান্স, দশ কিউ, সেণ্টি, পিপেট, একটি বিউরেট পাত্র ইহার ছিপিতে তুইটী ছিজ থাকিবে ও তাহাতে ইণ্ডিয় রবাবের ছোট নগ দিয় অন্ত পাত্রেব সহিত সংযুক্ত করিতে হইবে-এবং ভাষ্থ বদা করিবার 
থালিবার জন্য একটী স্প্রীংএর ক্লিপ, একটী ছোট সত্তব কিউ, সেণ্টি, ক্লাকা পাত্র, ইহা বিউবেট পাত্রেব একটী ছিদ্রে সংযুক্ত হইয় স্প্রীট ল্যান্সের উপৰ রাখিতে হইবে।

১ম দ্রব এক নিট ব পরিক্রান্ত জনো ৩৪ ৬৫ গ্রাম সলফেট অব কপব ১৭০ গ্রাম টাট্রাবেটেড সোডা পটাস এবং ১৭০ গ্রাম পটাস দ্রব কবিয় লাইবে। ২য দ্রব উপরোক্ত ১য় দ্রব হইতে ১২০ কিউ, সেণ্টি,

নাইয় জাদাতে এমোনিয় দ্র (সা প্ত ৮৮০০) ৩০০ তিন শত
কিউ, সেণ্টি, সংযোগ কবতঃ, জলা মিশ্রিড কবিয়া এক গিটাব প্রিমান কবিয় লইবে এই দেব বছ দিন বাখিলো বিকৃত হইমা
নাই হয় ন এই দিলীয় জবেন দশ কিউ, সেণ্টি, ব্যবহাবে
০'০০৫ গ্রাম বছ মুজের শক্রির সমান পবিমান পাওয়া যায়

#### প্রক্রিয়া

১ম দিন রাত্রি চকিশে দ ীর সংগৃহিত প্রজ্ঞাবের পবিমান লইবে 1

২য় কিয়দংশ প্রেপ্রাব দশ গুণ পবিমান পবিপ্রান্ত জল দাবা মিগ্রিত করিবে, একটা বিউরেট পাত্র ঐ জ্গ মিগ্রিত মৃত্র দারা পূর্ণ কবিবে।

ত্য একটী ফ্লাব্র দশ কিউ, সেণ্টে এমোনায়েক কপার দ্রুব বাথিয়া তাহা ব্রারের নল দিয় বিউরেট পাত্রের সহিত যোগ ক্রিবে।

৪০ একণে ফ্লাকাটী স্প্রীট ল্যান্সের উত্তাপে আ্টীত ববিবে

নে অতঃপর জা নিশি মুত্ত প্রতি মিলিটে য'ট হইতে

ক্রেশত কোটা, ফোটে ফোটা করিয়া শীন শীঘ্র ঐ শা টীও জবে

মিত্রিও কবিতে থাকিবে, যে পর্যান্ত না উহা বিবর্ণ ছইতে অ বম্ব ছয়, 
শতর অল্প বাল করিয়া মিশাইয়া সম্পূর্ণকপে বিবর্ণ ছইলে, মিত্রাণ করা

বন্ধ করিবে, এবং কত পরিমানে জাল মিশ্র মূল ব্যবস্থ ইইমাছে

ভিছা লিখিয়া রাণিবে।

#### হিসাবের ফল

খন্তাগি ক্রিনা ঘটাব মূত্র তই সহল কিউ, গেণ্টি, থাকে এবং দশ কিউ, সেটি এমোনিয়াক তান্ত্র দব বিবর্গ করিতে, আট কি উ, দৈটি, মূত্র (দশ গুণ জল মিশ্র) ব্যবহৃত হইয়া থাকে তাহা হইলে (৮ কিউ, দেণ্টি ত০ ৫ গ্রাম বহুমুত্রেব শক্রাব সমান)। সমস্ত প্রস্তাব জল মিশ্রিত হইলে ২০০০ কিউ, সেণ্টি হইবে

**か:え0000:.00€.** ず

= ১২'৫ শক্র কিম্ব শত্রর। ৬২৫;

এই প্রক্রিয়ায অভ্যক্ষ পবিয়ানে শক্ষা মূতে বর্তমান থাকিলেও দৃষ্ট হট্যা থাকে

#### জনসন সাহেবেব প্রথা।

ইংতে নিগতিখিত দ্বাগুলি অবশুক হয় যা, পিঞেশ্বাকারো নিটার, পরীকা নগ, পাঁচ কিউ, সেণ্টি মান চিহ্নিত
পিপেট, ছাট কাঁচের নল এক হইতে চাবি দ্রাম মান চিহ্নান্ধিত
একটা এক দ্রামের পিপেট, একটা ফ্ল ফ্ল বাহাতে প্রধান কিউ.
নেণ্টি, তরল প্রধার্থ বাধা বাধ এবং নিয়াঘাধিত দ্রব সকল
পিত্রিক ক্ষমের গাত দ্রব ক্ষেরিক এসিটেট দ্রব, যাহার বর্গ
শর্করার ষ্ট শুর্ড দ্রবের সহিতে ঠিক সমান হইবেক এবং যাহাতে
প্রতি আউলো সিকি প্রেন অর্থাৎ এক প্রেনের চতুর্থাকে কর্ত্বনা
বস্ত্রমান আছে এবং পটাস দ্রব (ব্রিটীস ক্রমাকোপিনা)
ক্ষেরিক এনিটেট দ্রব প্রশ্নত ক্রিতে, ক্রেরিপাবফ্লোয়াইড দ্রব
এক দ্রাম, এসিটেট দ্রব প্রশ্নত ক্রবিতে, ক্রেরিপাবফ্লোয়াইড দ্রব
এসিটীক অম চার দ্রাম এবং পরিশ্রুত ক্লা বুড়ি দ্রাম মিত্রিত
কর্ত্বিতে হইবে।

#### প্রাক্রিয়া

১ম। একটি পরীক্ষা নলে এক দ্র ম প্রামাব বার্গিয় তাহাতে অর্দ্ধ দ্বাম পটাস দ্রব এবং আশি কোঁট বা মিনিয় পি ঞিক অয়েত্র হন দ্রব মিশ্রিত করিবে

২য ইহাকে পরিশ্রুত জল মিশ্রিত করিব ঠিক অর্দ্ধ আইন্স পরিমান করিবে

তয় পরে প্রাট ল্যান্পের উত্তাপে ঠিক এক গিনিট কাল গুর্টিত করিবে।

৪র্থ অতঃপব শীতল হইলে প্রথম পরিমান করিয়া দেখা উচিত অর্দ্ধ আউন্স ঠিক আছে কিনা, ষল্পপি অর্দ্ধ আউন্দেশ অধিক থাকে, জাটিত করিং স্থান করিবে, আব সম্মত হইলে, পরিশ্রুত জল সংযোগে অর্দ্ধ আউন্স পূর্ণ করিয় ক্ষুত্রত

একাণে তৃইটি পরীকা নানের একটিতে উণ্রোক্ত প্রাক্রিয়ায় প্রস্তুত্ব বৃত্ত অপবৃত্তিতে উণ্ডার্ড ফেবিক এসেটিক দ্রব সমভাগে রাখিয়া উহাদের উভয়ের বর্ণেব ঐক্যান্তাব সামগ্রহ্ম করিবে যত্তাপি উভরের বর্ণ এককণ হয়, তাহা হইলে জ্ঞাত হওয়া যায় যে মৃত্রেব পতি আউলো শিকি গ্রেণ করিয়া শর্কবা বর্ত্তমান আছে আর উভযের বর্ণ এককণ না হয়, তাহা হইলে নিল্লিখিত উপাদ্ধ ক্ষরনাম ক্রিতে হইবে

১ম এফটি পিক্রো সাকাবোরিটারে উহার ন্যপের দশগাংশ চিহু পর্যান্ত উপরোক্ত জুটিত মূত্র হু রা পূর্ণ কবিবে

২য ঐ পিক্তে সাকারোমিট বের সংলগ্ন অপব নলটি ' ফৈবিক এসিটেট দ্রব দ্বারা পূর্ণ করিবে।

ত্য। একণে পিডেএসংকারোমিটারেব মুত্রে জল মিজিত

করিতে থাকিবে, যে গর্যায় ইহার বর্গ ফেবিক এসিটেট দ্রবের ধর্ণের স্থিতি সমান না হয়

শ্রু টি কাঁচের পাত্র জইষা তাহার একটিতে পিত্রোসাকারে মিটার ছইতে মৃত্র ও অপরটীতে পিত্রোমাকারে মিটার
সংলগ নশ ছইতে ফেরিক এসিটেট তার সমজাগে লইমা উহা শুভা
কাগলে রাখিয়া দেখিলে বর্ণ স্পান্ত প্রতীয়সাম হয়

শে উত্যেব বর্ণ একরপ হইলে কাঁচ পাত্রস্থ মৃত্র পিকোসাকাবোমিটারে ঢ লিয়া ভাগেব পবিমান চিত্র লিখিয়া লইবে।
পিকোসাকাবোমিটার যক্তের দশ ভাগের উপর প্রতিভ ভাগের ধারা
মৃত্রের প্রতিত্যক আউন্দেব ০০০ তোন শর্কবা বন্তনান আছে জান
যায় যল্পপি পতি আউন্দেব মৃত্রে আট তোপ করিয়া শক্বা
প্রতীয্যান হয তাহা হইলে একটা পঞ্চাশ কিউ সেণ্টি ফ্লাস্কে,
পাঁচ কিউ, সেণ্টি, মৃত্রু রাখিয়া জল স্বারা পূর্ণ করতঃ যাট কোঁটা
পিক্রিক অম তাব মিলিত করিয়া পূর্কোক্ত প্রক্রিয়া জন্মায়ী
পিকোসাকারোমিটার যত্রের প্রত্যেক ভাগে, মৃত্রের প্রতি আউন্দে
এক গ্রেণ কবিয়া শক্বা কর্ত্তান আছে জানা যায

### ভাজার গান্স প্রথা।

ইহাতে এই ক্ষেক্টা দ্রব্য আবশ্যক হয একটা দ্লু স্থাস, পরিমান চিত্র দ্বিত কাঁচের নল এবং একটা ইংরাদ্রী U (ইউ) আকাবের কাঁচে পার, ইহাব তুই বাহুর এক বাহু সক্ ছয় ইনিচ লাম ০ হইতে ৮ পর্যান্ত পরিমান চিত্র কিত, এবং অপরটী ছোট গোলাকাব ভূমেব ক্যান্থ ও কাঁচেব ছিপি সংযুক্ত, ঐ ছিপিতে এবং ভূমেব গলা্য বায়্ব গমনাগ্যন জ্বন্ত একটা ছিদ্র থাকে কিন্ত ছিপি ঘুরাইয়াছিদ্র বন্ধ করা যায়

#### প্রক্রিয়া

পুর্বোক্ত 'ইউ" আকারের পাত্র ব্যবহাব করিবাব পুর্বের, একটি ফ্লাঙ্কে, দশ কিউ, সেণ্টি, পরীক্ষার্থ মূত্র কইয় নকই কিউ, সো ট, পারশ্রুত জল মিশ্রিষ্ঠ করতঃ উহাতে অল অভিযন (ইয়েষ্ট) সংযেগে আলোড়িত বৰিয়া উওসৰূপ মিশ্রিত হইলে, ইহা क्टेंटि मम विखे, *(मिणि, व्हेगा है*छे व्याकारतत भारति (भागाकार ডুনেব ভিতৰ পৰেশ কৰাইয়া কাঁচেব ছিপি বন্ধ করিবে, ইহা শ্যাংশ রাখ কর্ত্তব্য যে ঐ কাঁচের ছিপির ছিদ্র, ডুমের গশার ছিদের সহিত শুজুভাণে থাকে, পরে কাঁচ পাত্রটী অল নক্রভ বে বাম দিকে ধরিলে, ঐ জল মিশ্রিত মূত্র সরু নবোর পরিমান চিছেব শুতা ভাগে পত্ছিলে, ছিপি ঘুবাইয়া বন করিয়া দিলে বহিদেশের বায়ু উহাতে প্ৰবেশ কবিতে পাবে না একনে এই যন্ত্ৰী একটা গৃহ মধ্যে রাশির' ধিবে। সেই গৃহহব উত্তাপ ৬৫ ডিগ্রির অবিক না হয়। অপ্তাদশ কিম্বা কুড়ি ঘটার পর যন্ত্রটী পরীক্ষা ক্বিলে দেখা যায়, যে উহাতে উৎসেচন ক্রিয়া দার অসাব হয় বাস্প উংপন্ন হইয়াছে। সক নশের শুস্তা ভাগ হইতে ৬রল পদার্থ যত ভাগ উখিত হইবে ৩ত ভাগ শক্রার অংশ। যদাপি हुरे ज्या दिथि उ इसेशा थारक छोट छरेरन छाना यथ भाउनन हुरे ভাগ শক্বি বর্ত্তমান আছে

# পিত্ত (বাইল পিগমেণ্ট) নাইট্রস অমু পবীকা

भा धक्षी भन्नीका नत्म म्हण हेकि भन्निमान श्रामा लहेत्व ২য় পুরীক্ষ নগটা বক্রভাবে ধরিষ, জার অল্ল করিষ পার্থ দেশ দিয় অল্ল বিশুদ্ধ যক্ষার অমু ঢানিবে ইহাদের উভযের সংযোগ স্থলে নানাবিধ বর্ণ, ছরিত নীল, ভাওতেট, রক্ত পীত ক্রম্থ পীত আভ যুক্ত ছবিত বর্ণ দৃষ্ট হয় বর্ণ সধল উপর হইতে নিতে দেখিবে, উপরেব বর্ণ ই জাবপ্রক ইছ দ্বারা জ্ঞাত হওয়া যায় যে মুক্তে পিন্ত বর্ত্তমান আছে

#### হেলাস' পরীকা

একটী পরীক্ষ নলে এক দুঁান লবণ আম লইবা তাহাতে আর আল করিব যথেষ্ট পরিসানে পরীক্ষ র্থ প্রাব সংযোগ করিবে থে পর্যান্ত উহ মুত্রেব বর্ণ না হয অতঃপর উহাকে উত্তমক্ষ আলো-ডিত করিবা স বধানে অল অল্প নিশুদ্ধ ব্যক্ষ ব আম ঢালিবে থেন ইহা মূল্রও লবণ অল্পেব তল দেশে নল মধ্যে পতিত হয এই উভয় পদার্থেব সংযোগ স্থলে নান বিধ বর্ণ দৃষ্ট হইবো জানা যায় মূ্রে িত বর্ত্ত্বান আছে

# য়েেইস্চল্স্ প্ৰীক্ষা

একটী প্ৰীকা নলে প্ৰসাৰ ও বিশুদ্ধ যবকাৰ অম উত্থৰণ নিপ্ৰিত কবিয়া তাহাতে সাৰধনে অল মল গঢ় গদ্ধকাম ঢালিবে যেন ইহা তল দোশ নল মাণ্য পতিত হয় এবং উভয় পদাৰ্থের সংযোগ স্থলে নান বিধ বৰ্ব দৃষ্ট হইলে জান যায় মৃত্যে পিত বৰ্ত্তমান ভাছে

# আইএডিন পৰীক্ষা

একটি পবীক্ষ নুজা অল্প প্রস্থাব লইয়া গ্রাহাতে হুই কিম্বা

তিন ফোট আইওডিন দব সংযোগ কবিলে যদ্যপি 'ইছাতে পিন্ত বৰ্ত্তমান থাকে তাহা হইনে সমস্ত মূল সনুজ বৰ্ণ ছইবে

িও শ্নীক্ষার স্থা নির্নিথিত বিষয়ে বিশেষ সভর্ক হর্টতে হুইবে যথ — মৃত্র অত্যন্ত রক্ত বর্ণ থাকিলেজন মিঞিত করি-কেক মৃত্রে অণ্ডলাল মিগ্রিত থাকিলে পরীক্ষার কোল তাবতমা হুয় ন

# ক্লোরোফরম দ্বারা পিত্ত বাৃহির করণ প্রথা

#### পিত্ত অম।

পেটেনকোফার্স পরীক্ষা এই পরীক্ষার জন্ম মুক্রকে নিমলিথিত প্রথান পন্তত কবিংক হয় সাধারণ মুক্রে এই পরীক্ষা কার্য্য হয় ন। যথা—

১ম বিশ আউন্প্রথাব লইয জল স্বেদন যন্ত্রারা খন চিটচটে আটাব ক্লায়ু সুইনে ক্লয়া বীর্ঘো জলু কবিবে ২য়। এক্ষণে স্বাবীর্ধ্যে স্ত্রবীভূত মূত্র জল স্বেদন যন্ত্র দারা শুক্ষ করিবে

ন ৩য়। শুদ্ধ পদার্থ অল উত্তয় স্থবানীর্য্যে বিগলিত বরিয়া পুনবায় শুদ্ধ কবিৰে।

৪র্থ উপরোক্ত শুন্ধ পদার্থ অত্যন্ত পরিশ্রুত জলে বিগলিত কবিবে।

ক্ষে একণে উহাতে নিউট্রাল এবং বেসিক এসিটেট অব লেড সংযোগ কবিয়া বাব ঘণ্টাকাল রাথিয়া দিবে

৬ঠ যাছ অধঃত হইবৈ তাহা সংগ্রহ করিয়া, কার্বনেট অব সোড়া দ্রব দ্বাবা মিগ্রিজ করতঃ, ফিণ্টাব করিবে ইহা পরীক্ষার উপযোগী হয় ইহাতে পিত অম, সোড়িয়ম মিকো কোনেট এবং ট টববা কোলেট অবস্থায় বর্ত্তমণন থাকে

### প্রক্রিয়া

' একটি পরীক্ষা নলে তুই কিম্বা তিন গ্রেণ আফুরের শর্করা জলে তব কবিষা, উপবোক্ত প্রকাবে প্রান্তত অল্প পিত অমু দ্রন্থ মিশ্রিত করিষা উহাতে অর্ম দ্রাম খন গলক অমু ঢালিষা দিলে, উভ্যের মিশ্রণ স্থলে গ ঢ বেওনে বর্ণ দৃষ্ট হইয়া থাকে ...

### ইণ্ডিফান।

हैए' स्रष्ट 'वस्ता पृत्त व्यक्त क क म 'ताय कृष्ठ रूथ ' विकान त्यक्ष कालि गाट्य वटनन त्य "रेक्ज" नामक भनार्थ व्यवप्रदा यर्ज-गान थाकात कन व्यक्त क्षेत्रात्य मिर्ड रेक्जिन निःश्व रूरेश थाक অনুস্থাবস্থায়, নানাপ্রকাব ক্ষয় রোগে, ক্ষয় কাসু ইত্যাদিতে, আয় শয়েয় ( ষ্টমাকের ), ইলিষসের, এবং পেরিটোনিয়ম প্রভৃতির বিষয় পীডাদিতে প্রস্রাবে ইণ্ডিকান অধিক পরিমাণে নিঃপ্তত হ্য

### সলকোন্ধিব পরীক্ষা

একটি পরীক্ষা নলে তিন ড্রাম মৃত্র এবং ঐ পবিমার্টে বিশুদ্দ লবত অম বাথিয়া, তাহাতে খন ক্লোবাইড খব লাইম দ্রব ফোটো ফোটা করিয়া নিশাইবে ও প্রভাবে মিপ্রণেব পব উন্তমন্ত্রপে খালোড়িত কবিয়া লইবে। যখন দেখিবে স্থায়ী নীলবর্গ হইয়াছে তথন অল ক্লোবোলবম সংযোগ করতঃ মিপ্রণকে আলোড়িত কবিয়, নীলবর্গ হয়াছ

প্রত্রাব অত্যন্ত বক্তবর্ণ থাকিলে, সতর্ক তার সহিত উহাতে অল্প বেশিক এসিটেট অব লেড দ্রব মিশ্রিত করিয়া লইবে

প্রসাবে অণ্ডলাল বর্তমান থ কিলে এই পবীক্ষাব পূর্বে বহিষ্ণত্ত করিয়া লইবে

### হেলাস পরীকা।

একটি বিকাব পাতে কয়েক দ্রাম বিশুদ্ধ যবক্ষার আম রাখিয়া ভাহাতে ( অগুনাল বহিন্ধত করা ) মৃত্র অল পরিমাণে মিলিডে কবিলে, যতানি ইপ্রিকান ঐ মৃত্রে বর্ত্তনান থাকে ভাকা হইকে, উহা বজ্তবর্ণ, ভাওলেট বর্ণ এবং নীলবর্ণ দৃষ্ট হয় ইহাতে বিশিক্ষ শবকাব অয়েব পরিবর্জে বিশুদ্ধ লবণ আম ব্যবহার কবা যাইতে পোরে।

### টাইরোগিন

ইহা প্রায়ই সুস্থাবন্ধায় পলাবে দেখিতে পাওরা যায় না।

অসুস্থাবন্ধায়, যক্তের ক্ষয় রোগও সিরোসিস রোগ, মেলিগনাট বসস্ত রোগ, জর বিকার অবস্থায় ইত্যাদি বোগ সমূহে প্রলাবের ইউরিয়া, ইউরিক জয়, কোরাইডস, সলফেটস্ এবং ফসফেটস্
ইত্যাদি পরিবর্তিত হব্যা প্রিস্ম্যাটিক দানা গৃক্ত সকল টাইরোসিন লামে প্রস্রাবে বর্ত্ত্যান থাকে।

ইহা অণুখীকণ যজে শুদ্রুবর্ণ রেসম সদৃশ প্রক্র সমষ্টি, ও তাহাতের কেবল স্চেব ক্যায় উজ্জ্বল দানা সকল দৃষ্ট হঠযা পাকে

ইহা পরীক্ষাব কান্ত প্রেপ্তত কবিতে হইলে, প্রথমতঃ প্রজ্ঞাব হইতে যে যে রিদিন পদার্থ আছে, ভাষা বেসিক এসিটেট অব লেড এব ধারা বহিদ্ধৃত করিবে। ,পরে ফিন্টার করিয়া ভ হণতে হাইড্রোজেনীকালাইউ সংযোগ করনাতর প্রস্থা ফিন্টার করিয়া গাচ্চ করতঃ দানা বাধিবাব সাধিয় দিতে হইবে

#### পরীকা।

প্রথমতঃ দানাগুলি উষ্ণ জবে ত্রব করিয়া, ভাছাক্তে করের ক্রেটি গদ্ধক অয় সংযোগ করিবে পরে উহাতে কার্বনেট অব বেরিয়ম মিপ্রিত করিয়া, সমক্ষারাম হইলে কয়েক ফোটা ফেরিক্ ক্রের্টিড প্রব সংযোগ করিছে ভাওছেট বর্ণ হইবেক

ী দানাগুলি যবকার ময়ে দ্রব করিয়া, লবণ অয় সংযোগ করিলে বজাবর্গ এবং এগোলিণ দ্রব সংযোগে পাটকিলে বর্ণ হইয়া থাকে ■

### नूमिन

মুখাবস্থায় প্রস্রাবে আদে দৃষ্ট হয় না

অস্থাবস্থায়, টাইবোসিনের স্থার বসস্ত, টাইফগেড জর ত্র শক্ষাত্ব ক্ষা রোগ, সিরোসিস প্রস্তৃতি বোগের এবং প্রজাবে দৃষ্ট হয

ইহা অধুনীক্ষণ যন্ত্রে বিশুদ্ধ অবস্থায় শুদ্রবর্গ আন্মের ছ্যায় এবং প্রজাবে মিশ্রিত থাকিলে মেদ সদৃশ গোলাকার মধ্যস্থলে চাপা চিহ্নযুক্ত পী ১বর্গ দৃষ্ট হইয়া থাকে

ইছা পর্বাক্ষার জন্ম প্রস্তুত করিতে হইলে, চার কিন্তা পাঁচ আউন্দ মূত্র জ্ঞল সেদন যন্ত্র বারা পাতলা সর্বতের মতন হইলে, লীতল কবিবে, পরে লুসি:নর গ্লোবিউলন্তলি পৃথক করিয়া, ক্ষ্টীত স্থাবীর্ঘ্যে বিগলিত করতঃ কিয়ৎকাল গ্লাখ্যা দিলে উজ্জ্ঞল মেদম্য আইসের প্রেটস সকল দৃষ্ট হইয়া থাকে। ক্ষ্তি কোলে-ট্রিপের স্থায় ইথ্রে দ্রুব হয় না।

# ইনোসাইট।

স্থাবিছার প্রজাবে দৃষ্ট হয় না

অস্থাবস্থায়, বহুমূত্র, মধুমেহ, এবং ব্রাইটস রোগ জান্ত ব্যক্তির প্রস্রাবে দৃষ্ট হয়

ইহা প্রীক্ষার জন্ত অল পরিমাণে মৃত্য জল খেদন যন্ত্র ছারা ডক্ষ করতঃ, উহা এনোনিয়া দ্রব এবং ক্লোরাইড অব লাইম দ্রব দারা সিক্ত করিয়া, শুদ্ধ করিয়া লইলে, গোলাণী লালবর্ণ হইলে ভাতে হওয়া যায় যে শ্বী মুক্তে ইনোসাইট বর্তমানু আছে

### হিপিউরিক অয়।

প্রস্রাধ্য ইছা কথন কখন ইউরিক আয়ের সহিত মিপ্রিত অইছায় বর্ত্তমান থাকে। বেঞ্জোয়িক আমু এবং ইছার দ্রবনীয়া লবণ সকল সেধন করিলে প্রস্রাধ্যে হিপিউরিক আয়ের আধিকা ইইয়া থাকে

সত্য প্রস্রাব করাইয়া মৃত্র কিঞিৎ অধিক পরিমাণে লংগ অমু
দ্বারা দ্রব করিয়া জল বেদন যন্ত দ্বারা গাঢ় করিয়া দানা বাঁধিবার
জন্ম রাপিয়া দিবে ঐ দানা গুলি উফ জলে দ্রব করতঃ শীতল
স্থানে বাধিয়া দিলে পুনরার দানা বাঁধিয়া থাকে ইহার দানাগুলি
স্থাবীর্ঘ্যে এবং উফ জপে দ্রব হয়, মৃতিবি অকুসাইড বর্ত্তমান থাকে
না, দানার আকাবের বিভিন্নতা আছে এই সকল কাবণে ইউরিক
অন্মের দানা হটুতে ইহাকে প্রভেদ কবা যায়

#### রক্ত।

অধুবীক্ষণ যতে রক্তের কোষ সকল (রড সেলস্) দৃষ্ট হইয়া

#### গোযেকম পরীক্ষা

একটী পরীক্ষ নলে অন্ন মৃত্র রাথিয়া ভাছাতে কবেক ফোটা সত্ম প্রস্তুত টীংচাব অব গোরেকম এবং পরে করেক ফোটা পার-অক্সাইড অব হাইড্রোজেনের ইথিবি এল জব সংযোগ করতঃ, আলোডিত কবিলে, মৃত্রের উপর ভাগ নীলবর্ণ দৃষ্ট হয

কখন কখন একখণ্ড শোষক কাগজ প্রস্রাবে শিক্ত করতঃ শুক্ষ করিয়া প্রথমে গোষের্ক্তম টীংচারে নিম্নিজ্ব করতঃ পবে পারী অক্সাইড অব্ হাইড্রেজেনের ইথিরিয়াল জবে নিমুজ্জিত করিলে নীলবর্ণ হইলে জানা যায় প্রশ্বে রক্ত বর্ত্যান আছে

পরীকার্থ প্রস্রাবে, অওলাল, মুথের লাল ( দেলাইভা ), নানারন্ধের প্রেষা , আইওডিনের লবণ ( আইওডাইড অব্ পটাসিয়ন )
ইত্যাদি মিশ্রিভ থাকিলে গোয়েকম টিংচার দ্বারা নীলবর্ণ হইয়া
থাকে, ভজ্জা সভক হইয়া পরীকা করা আবশ্রক

# হিমাটিন পরীকা।

একটা পবীকা নলে সমভাগে সৃষ্টিক পটাস ও মৃত্র রাখিয়া,
ভার উত্তাপ দিলে ভৌতিক (আর্থি) ফসফেটস্গুলি অধঃস্থ
হয়, তথন উহাকে ফিণ্টাব করিয়া একথানি কাঁচের প্লাইডের উপর
ঐ ফসফেটস্গুলি রাখিয়া, গুক্ষ করনাস্তর তাহাতে অর ক্লোরাইড
ভাব সোডার দানা মিপ্রিত করতঃ কাঁচের, ঢাক্না প্রির প্লাইডথানি
ঢ কিরা রাখিবে। একণে উহাতে এক কোঁটা শীক্ষি সংযোগ
কবিরা ফস্ফেটস্ ও সোডার সহিত উত্তয়রপ মিপ্রিত হইলে,
প্লাইডগানি উক্ষ করতঃ রাখিয়া দিবে, শীতল হইলে, অণুবীক্ষণ যার
ঘারা হিমিন দানা সকল দৃষ্ট হইয়া থাকে

### এসিটোন।

ইহা কেবলমাত্র বহু মূত্র বোণের প্রস্তাবে দৃষ্ট হইবা খাকে

#### পরীক্ষা

চারি গ্রেণ নাইটো-প্রসাইড অব্সোডা এক আউন্স পবিশ্রত জলে জব করনান্তর, ইহার ক্ষেক ফোটা পরীক্ষার্থ প্রস্রাব মিপ্রিড করিয়া, ভাহাকে তেজহর এমোনিয়া জব চার কিয়া ইয় ফোটা সংযোগ কুলিলে ক্ষালে অলে ভাওলেট্রণ হইয়া পরে পীতবর্ণে পঞ্জিত হয়। তাহা হইলে জানা যায় প্রজাবে এসিটোন বর্তমান আছে

# किरम्पि।

ইহা কখন কখন স্থাবস্থা প্রস্রাবে দৃষ্ট হয় অধিক দিন অনাহারী ব্যক্তিব প্রস্রাবে দৃষ্ট হয় না। মাংসাহারী ব্যক্তিগণের দ্বিত্ত ইহাব আধিক্যতা দৃষ্ট হয় ইহার পরীক্ষা নিপ্রাযোজন

### সিষ্টিন

ইহাও পূর্ব্বোজের স্থায় সুস্থাবস্থার প্রস্রাবে কলচ দৃষ্ট হয়; কোন কোন ব্যক্তির পুরুষামুক্তমে ইহা প্রস্রাবে বর্তমান থাকে

### ভায়াজো রিয়েকসন।

সুস্থাবস্থার প্রস্রাবে ইহা আদে দৃষ্ট হয় না।

অসুস্বিস্থান যে রোগীর প্রস্রাবে ইহা দৃষ্ট হয়, তাহা প্রাথই সাংস্থাতিক হইয়া থাকে; প্রায়ই যত্মাকাস, অর নিকার ও টাই-ফরেড অরেব প্রস্রাবে দৃষ্ট হয়

### ডায়াজো-রিএজেট।

গাঁঢ় সল্ফামিলিক অমু পরিশ্রুত জলে দ্রব হুই শতভাগ, লবগাম দশ ভাগ এবং নাইট্রেট অব সোডা দ্রব (১ — ২০০) ছুর ভার- মিশ্রিত করিয়া লইলে প্রস্ত হয়। ইহা সগু প্রস্তুত কবিয়া ব্যবহার্য্য

#### পরীকা।

একটী পরীক্ষা নলো প্রস্রাব ও ডায়াজো রিএজেন্ট সমভাগে লইয়া, ডাহাতে অল এমোনিয়া দ্রব সংযোগে সমক্ষাবাম করিলে উজ্জ্বল রক্তবর্ণ হইয়া থাকে। ইহাই ইকার প্রধান চিত্র

#### मात्र भनार्थ।

একটী আর্ড কাঁচ পাত্রে প্রস্রাব কিয়ৎকাল স্থির ভাবে রাখিয়া দিলে সারাংশ অধঃস্থ হয় স্থাবিধা মৃত্যু সার পদার্থ সকল পৃথক কবণ জন্ত লেইমানেন্ নিমসের মেন্টি কিউণ্যাল মুস্ত ( হুগ্ধ বিশেষধু জাজ বারচার হয় ) বারচার ক্রবিষ্ঠে।

रेडेटबर्ड बन व्यम्भानम्। रेडेटबर्ड बन त्माडा। रेडा। इडा।	কিন্ত ইউবিক অনু । । র। ভৌতিক ফমকেটস্। বে অক্সালেট অব্ লাইম। বে সিদ্টান।
जेव्याराथ क्यनीय के शेरी ज्ञाय स्व शेरी ज्ञाय स्व शेरी ज्ञाय स्व शेरी ज्ञाय स्व शेरी ज्ञाय स्व शेरी ज्ञाय स्व	्विजिष्ट ब्यदम स्व श्व ना किड भोगे स्व व्यव व्यवनीय। मुक यम जकरन स्वनीय। नीक मि व्यवनीय किछ ग्वन च्यदनीय किछ व्यव्यानिय। स्व व्यवनीय।
किंगिकोटने वी छन्नवर्ग। दिवश्चरन वी मोटिकिटनवर्ग। क्रेपक्ष छन्नवर्ग छन्निक छन्नवर्ग होस्कोटे। नार त्रक्नवर्ग स्टिन्न छाप क्रक् वर्ग वो बरक्नवर्ग स्टिन्न छाप क्रक्	ৰেশ্বনে বা ব্ৰক্তবৰ্ণ পাটি কলে। শুলবৰ্ণ বা কৃষৎ পীত মিজিত শুলব্ৰ দাহাকে ফন কলার কহে। ঐ
्राक्षां विश्वित्त । (श्वित्रविक्ता)।	